LKS
दैनिक
लोकतंत्र की शान
WWW.LKSTV.IN
दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 08 जून 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक

विदेश मंत्रियों ने की व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा

एजेंसी। नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो के साथ 8वीं भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) की सह-अध्यक्षता की। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों मंत्रियों ने भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। साथ ही, उन्होंने राजनीतिक, रक्षा और सुरक्षा, समुद्री, व्यापार और निवेश, फार्मा और स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, अंतरिक्ष, शिक्षा, कांसुलर और सांस्कृतिक क्षेत्रों तथा लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मंत्रियों ने इस बात पर गौर किया कि राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई बातचीत ने द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान की है। दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और क्षेत्रीय तथा बहुपक्षीय मंचों पर करीबी सहयोग और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रियों ने द्विपक्षीय संबंधों के बढ़ते और सकारात्मक रुझान का स्वागत किया और निकट भविष्य में आपसी सुविधा के अनुसार अगली संयुक्त आयोग बैठक आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का एक प्रमुख स्तंभ है। गहरे सभ्यतागत संबंधों पर आधारित, भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी सहयोग के स्थापित और नए क्षेत्रों में लगातार मजबूत हो रही है।

भारत आने का बहाना ढूंढता रहूंगा : सुगियोनो

नई दिल्ली। भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने के उद्देश्य से रविवार को नई दिल्ली में भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग (जॉइंट कमीशन) की 8वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों देशों के बीच राजनीतिक, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो ने की। इस दौरान इंडोनेशियाई विदेश मंत्री ने भारत की मेहमाननवाजी की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यहां हमेशा विशेष सम्मान और अपनापन महसूस होता है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "मैं कुछ सप्ताह पहले भी नई दिल्ली आया था और आगे भी भारत आने का कोई न कोई बहाना ढूंढता रहूंगा।" उनके इस बयान ने बैठक के दौरान सौहार्दपूर्ण माहौल को और मजबूत किया। बैठक के उद्घाटन सत्र में विदेश मंत्री एस. जयशंकर

ने कहा कि चार वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित हो रही यह संयुक्त आयोग बैठक दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा देने का अवसर है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2025 में भारत और इंडोनेशिया ने अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाई थी। साथ ही उन्होंने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की भारत यात्रा और 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में उनकी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊर्जा मिली है। जयशंकर ने कहा कि भारत और इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र के दो महत्वपूर्ण साझेदार हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग के अनेक क्षेत्र मौजूद हैं। उन्होंने रक्षा एवं सुरक्षा, समुद्री सहयोग, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, फार्मास्यूटिकल्स, पर्यटन, शिक्षा तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। इंडोनेशियाई विदेश मंत्री सुगियोनो ने कहा कि 2022 के बाद आयोजित यह बैठक दोनों देशों के बीच सहयोग की प्रगति की समीक्षा करने और भविष्य की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच हुई चर्चाओं के परिणामों को आगे बढ़ाने में यह बैठक अहम भूमिका निभाएगी। उल्लेखनीय है कि भारत और इंडोनेशिया के बीच संयुक्त आयोग तंत्र की स्थापना वर्ष 2001 में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत की गई थी। इससे पहले सातवीं संयुक्त आयोग बैठक जून 2022 में नई दिल्ली में आयोजित हुई थी। दोनों देशों ने इस बार भी रणनीतिक साझेदारी को ठोस परिणामों में बदलने और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

ज्वलंत मुद्दा | **संपादकीय**

कॉकरोच का जंतर मंतर में प्रदर्शन अरुण जेटली और सीजेआई संयोग?

संसद में जब विपक्षी दल सरकार पर नोटबंदी को लेकर विरोध जता रहे थे उस समय पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था जनता को यदि परेशानी होती तो वह सड़कों पर होती। जनता को नोटबंदी से कोई परेशानी नहीं है, विपक्षियों को नुकसान हुआ है इसलिए वह विरोध जता रहे हैं। कुछ समय पहले मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत जी ने बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच की पहचान से नवाजा था। इसके विरोध में सारे युवा एकजुट हो रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार शिक्षा, रोजगार, नौकरी और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं दे पा रही है। स्नातक और पर परास्नातक की डिग्री लेने के बाद भी युवा बेरोजगार होकर यहां से वहां घूम रहे हैं। नीट जैसी परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं।

हर परीक्षा में धांधली हो रही है। ऐसी स्थिति में युवाओं के बारे में जो टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने की उसने युवा कॉकरोच को सड़कों पर लाकर खड़ा कर दिया है। रही सही कसर नीट परीक्षा का पेपर लीक होना तथा सीबीएसई के परीक्षा परिणाम में जिस तरह की गड़बड़ी हुई है उसमें जो भ्रष्टाचार हुआ है उसको लेकर लाखों छात्र और उनके परिवारजन सड़कों पर आने के लिए विवश हुए हैं। 6 जून काकरोचों के लिए एक ऐतिहासिक दिन साबित होने जा रहा है। जब अमेरिका से आकर दीपक अभीजीते के नेतृत्व में हजारों लोगों की भीड़ जंतर मंतर पर पहुंच गई। यह भीड़ अपनी लड़ाई अब स्वंय लड़ने के लिए देश भर में इकट्ठी हो रही है। पिछले कुछ वर्षों से सरकार असंवेदनशील होती चली जा रही है।

जन आंदोलनो को सख्ती के साथ दबाया जा रहा है। किसान आंदोलन से लेकर अभी तक जितने भी आंदोलन हुए हैं, सरकार ने आंदोलनो को दबाने के लिए पुलिस का सहारा समय-समय पर लिया है। लाठी चार्ज, वाटर कैनिंग, आंसू गैस के गोले इत्यादि का प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ दिया जाता है, लेकिन उनके द्वारा जिन समस्याओं को लेकर आंदोलन किए जा रहे थे उन पर केंद्र एवं राज्य सरकारें कोई निर्णय नहीं लेती हैं। अब पानी सर के ऊपर से गुजर चुका है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बाजारवाद, कर्ज ऐसे मामले हो गए हैं जिनसे सबसे ज्यादा परेशान युवा वर्ग है। पढ़ाई करने के बाद भी उसे कोई रोजगार उपलब्ध नहीं हो रहा है। जो प्रतियोगी अथवा चयन के लिए परीक्षाएं हो रही हैं उन सब में पेपर लीक हो रहे हैं। पिछले दरवाजे से नौकरियां दी जा रही हैं। सारी व्यवस्था सत्ता में बैठे हुए लोगों के हाथ में केंद्रित हो गई है। करोड़ों युवा यहां से वहाँ भाग रहे हैं। ना तो उन्हें कोई काम मिल रहा है ना सरकारी नौकरी मिल रही है और ना ही संविदा नौकरी ही मिल रही है, उल्टे हर परीक्षा के नाम पर बेरोजगारों को लूटा जा रहा है। इससे अब युवा वर्ग नाराज होकर सड़कों पर आ गया है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

एनएफएचएस-6 फैक्टशीट में बताया गया स्वास्थ्य और पोषण परिणामों में हुआ सुधार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
सत्यमेव जयते

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-6 की फैक्टशीट जारी करके बताया है कि देश के स्वास्थ्य, पोषण और जनसंख्या से जुड़े कई आंकड़ों में सुधार हुआ है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच देश के आम लोगों तक बढ़ी है, टीकाकरण कवरेज में सुधार हुआ है। प्रसवपूर्व देखभाल के उपयोग में वृद्धि दर्ज की गई है और स्तनपान से जुड़े परिणामों में भी सकारात्मक प्रगति देखने को मिली है। साथ ही वित्तीय समावेशन, बुजुर्ग आबादी की हिस्सेदारी और जनसंख्या संरचना से जुड़े नए आंकड़े भी पहली बार फैक्टशीट में शामिल किए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने फैक्टशीट में देश के स्वास्थ्य, पोषण और जनसंख्या से जुड़े 101 प्रमुख संकेतकों की स्थिति प्रस्तुत की है। एनएफएचएस-6 में कई नए परिणामों को भी शामिल किया गया है। इनमें जनसंख्या संरचना, बुजुर्ग आबादी का अनुपात, वित्तीय समावेशन, प्रसव पूर्व देखभाल सेवाओं का उपयोग, टीकाकरण कवरेज, गंभीर डायरिया की व्यापकता और स्तनपान से जुड़े विस्तारित संकेतक शामिल हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि परिवार नियोजन, बाल स्वास्थ्य, महिलाओं के स्वास्थ्य तथा एचआईवी से जुड़े कई विस्तृत परिणामों को हटाया नहीं गया है।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार में ई-जागृति को रजत सम्मान

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के विभाग के डिजिटल मंच 'ई-जागृति' को उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली में डिजिटल बदलाव और सरकारी प्रक्रियाओं को सरल व तेज बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) की ओर से राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2026 में रजत सम्मान प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार 'प्रौद्योगिकी के उपयोग से सरकारी प्रक्रियाओं के पुनर्गठन और डिजिटल परिवर्तन' श्रेणी में दिया गया है। 341 नामांकनों के बीच हुए मूल्यांकन के बाद ई-जागृति का चयन किया गया। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने रविवार को बताया कि 01 जनवरी 2025 को शुरू किए गए ई-जागृति मंच ने उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली को डिजिटल, पारदर्शी और अधिक सुलभ बनाया है। इस मंच के जरिए अब तक 2.29 लाख से अधिक उपभोक्ता मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 2.07 लाख मामलों का निपटारा किया जा चुका है। मंच की कुल निपटान दर 90.75 प्रतिशत रही है। मंत्रालय के अनुसार, ई-जागृति ने ओसीएमएस, ई-दाखिल, एनसीडीआरसी सीएमएस और कन्फोनेट जैसी चार पुरानी प्रणालियों को एकीकृत कर एआई-सक्षम और पूर्णतः पेपरलेस मंच उपलब्ध कराया है। वर्तमान में इस पर 4.15 लाख से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उपभोक्ता आयोगों में 1.65 लाख से अधिक मामले दर्ज हुए, जबकि 1.52 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया गया। इस अवधि में निपटान दर बढ़कर 92.30 प्रतिशत हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 89.47 प्रतिशत थी।

नेपाल-भारत के बीच क्रॉस-बॉर्डर रेमिटेंस सेवा शुरू, अब तुरंत भेज सकेंगे पैसा

काठमांडू। नेपाल और भारत के बीच क्रॉस-बॉर्डर पर्सन-टु-पर्सन (पी2पी) रेमिटेंस सेवा शुरू कर दी गई है। इस सेवा के माध्यम से ग्राहक सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए नेपाल और भारत के बीच तत्काल धनराशि भेज और प्राप्त कर सकेंगे। बैंक के अनुसार यह सेवा दोनों देशों के ग्राहकों के लिए सीमा-पार भुगतान को सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इस सेवा के तहत नेपाली बैंक में खाता रखने वाले भारतीय नागरिक अब अपने मोबाइल बैंकिंग एप 'एनबैंक' का उपयोग कर भारत में रहने वाले अपने परिवारजनों और मित्रों को तुरंत पैसा भेज सकेंगे। नबिल बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार ज्ञावली ने कहा कि यह सेवा सीमा-पार भुगतान को तेज और आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नेपाल और भारत दोनों देशों में

डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बैंक ने बताया कि सेवा के उपयोग में नियामकीय प्रावधानों और ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लेनदेन की सीमा निर्धारित की गई है। नेपाल से भारत धनराशि भेजने पर ग्राहक प्रतिदिन अधिकतम 15 हजार भारतीय रुपये तथा प्रति माह अधिकतम 1 लाख भारतीय रुपये तक भेज सकेंगे। भारत से नेपाल धनराशि भेजने की दैनिक अधिकतम सीमा 2 लाख भारतीय रुपये निर्धारित की गई है, जबकि इस दिशा में मासिक सीमा लागू नहीं होगी।

मानसरोवर मार्ग पर नेपाल को है आपत्ति

एजेंसी। नई दिल्ली

- नेपाल के विदेश मंत्री खनाल ने फिर उठाया कालापानी-लिपुलेख का मुद्दा
- जयशंकर और डोभाल से मुलाकात में कहा- सहमति के बिना नहीं होने चाहिए समझौते

भारत दौरे पर आए नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने एक बार फिर कालापानी और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर नेपाल का दावा दोहराते हुए इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाया है। नेपाली विदेश मंत्री के इस बयान ने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को फिर चर्चा में ला दिया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्होंने नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की है। कैलाश मानसरोवर यात्रा से जुड़े एक प्रश्न के जवाब में खनाल ने कहा कि यात्रा कई अलग-अलग सीमा मार्गों से संचालित होती है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु नेपाल के रास्ते भी यात्रा करते हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल की मुख्य चिंता कालापानी और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर भारत और चीन के बीच हुए समझौतों से जुड़ी है। उनके अनुसार नेपाल लगातार यह कहता रहा है कि यह क्षेत्र उसका हिस्सा है और नेपाल की सहमति के बिना किसी तीसरे पक्ष के साथ इस क्षेत्र से संबंधित समझौते नहीं किए जाने चाहिए। नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा कि उनके देश ने इस संबंध में कूटनीतिक माध्यमों और आधिकारिक नोट के जरिए अपना पक्ष भारत और चीन दोनों के

समक्ष स्पष्ट रूप से रखा है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच संवाद और आपसी सम्मान के आधार पर किसी भी जटिल मुद्दे का समाधान निकाला जा सकता है। खनाल ने अपने बयान में भारत-नेपाल संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अतीत के विवादों से आगे बढ़कर साझा विकास, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उनके अनुसार नेपाल एक महत्वाकांक्षी और विकासोन्मुखी राष्ट्र के रूप में भारत के साथ मजबूत साझेदारी चाहता है। नेपाल में हाल के राजनीतिक परिवर्तनों और युवाओं की भूमिका पर चर्चा करते हुए खनाल ने कहा कि हालिया जनआंदोलनों ने देश की राजनीति को नई दिशा दी है। वहीं अग्निवीर योजना में नेपाली युवाओं की भर्ती के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि यदि भारत इस विषय पर औपचारिक चर्चा करना चाहे तो नेपाल बातचीत के लिए तैयार है। अपने संबोधन में खनाल ने भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर तेजी से उभरती हुई आर्थिक और तकनीकी शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है और नेपाल इस विकास यात्रा का साझेदार बनना चाहता है।

विपक्षी गठबंधन की बैठक में 23 दल होंगे शामिल, 8 जून को नई दिल्ली में बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली बैठक में 23 राजनीतिक दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है। यह बैठक दोपहर 12 बजे कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित की जाएगी। जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि इंडी गठबंधन (इंडिया

जनबंधन) के कुछ दल अलग-अलग कारणों से इस विशेष बैठक में शामिल होने में असमर्थता जता चुके हैं। हालांकि, उन्होंने भी केंद्र सरकार की उन नीतियों और कार्रवाइयों का विरोध किया है, जो लाखों भारतीयों के मताधिकार को प्रभावित कर रही हैं, संविधान पर हमला कर रही हैं और जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। लगातार बढ़ती महंगाई घरेलू बजट पर असर डाल रही है। साथ ही युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात हो रहा है। सरकार निवेश के माहौल को कमजोर कर रही है और अपनी विदेश नीति के जरिए राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रही है।

भारत से सीमा विवाद पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की आवश्यकता नहीं : खनाल

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा है कि भारत के साथ सीमा विवाद के समाधान के लिए नेपाल ने ब्रिटेन से किसी प्रकार की मध्यस्थता नहीं मांगी है। नेपाल का स्पष्ट मत है कि इस मुद्दे का समाधान दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संवाद के माध्यम से ही होना चाहिए। नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास में एक पत्रकार सम्मेलन में खनाल ने भारतीय पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों से नेपाल अपने भूभाग से जुड़े मुद्दों पर लगातार कूटनीतिक नोट भेजता रहा है। संबंधित समझौता भारत और चीन के बीच हुआ था। हमने दोनों देशों को कूटनीतिक नोट के

माध्यम से अपनी आधिकारिक स्थिति से अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि लिपुलेख और कालापानी का क्षेत्र नेपाल का है। ऐतिहासिक रूप से वह भूभाग हमारा रहा है। प्रधानमंत्री ने भी यही आधिकारिक रुख व्यक्त किया है। खनाल ने कहा कि नेपाल-भारत सीमा विवाद का संबंध लंबे ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से नेपाल और भारत के बीच की सीमा का निर्धारण वर्ष 1816 की सुगौली संधि के आधार पर हुआ था। हम इस विवाद का समाधान कूटनीतिक माध्यमों से करना चाहते हैं। इसके लिए ऐतिहासिक प्रमाणों की आवश्यकता है।

अवैध प्रवासियों को लेकर भारत-बांग्लादेश सीमा पर बढ़ा तनाव

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले स्थित हकीमपुर चेकपोस्ट इन दिनों एक असामान्य स्थिति का गवाह बन रही है। वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक अब स्वयं सामने आकर अपनी पहचान दर्ज करा रहे हैं और बांग्लादेश लौटने की इच्छा जता रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों के अनुसार प्रतिदिन 200 से 300 लोग सत्यापन के लिए चेकपोस्ट पहुंच रहे हैं, जिससे वहां लंबी कतारें लग रही हैं। सीमा पर ऐसे लोगों की भीड़ बढ़ने से तनाव जैसे हालात बन गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ऐसे तमाम लोगों को

सीधे सीमा पार भेजने के बजाय उनका बायोमीट्रिक सत्यापन और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। इसके बाद उन्हें राज्य सरकार द्वारा बनाए गए होल्डिंग सेंटरों में भेजा जा रहा है। कई ऐसे लोग भी हैं जो वर्षों से भारत में रह रहे हैं और उनके पास आधार कार्ड सहित भारतीय दस्तावेज तो हैं, लेकिन बांग्लादेशी पहचान संबंधी कोई प्रमाण नहीं है। यही स्थिति उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति को लेकर बीएसएफ के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया, कि यह पहली बार है जब अवैध प्रवासियों को खोजने की आवश्यकता नहीं पड़ रही, बल्कि वे स्वयं अपनी पहचान दर्ज कराने पहुंच रहे हैं। स्थानीय सामाजिक संगठन 'भूखा मानुसेर अधिकार अभियान' के अनुसार सत्यापन कराने वाले अधिकांश लोग बांग्लादेश के विभिन्न जिलों से वर्षों पहले अवैध रूप से भारत आए थे। इस बीच उन लोगों की चिंता ज्यादा बढ़ गई है, जिनके पास किसी भी देश के नागरिक होने के प्रमाण नहीं हैं। ऐसे लोगों को आशंका है कि यदि दोनों देशों में से किसी ने भी उन्हें स्वीकार नहीं किया तो उनका भविष्य अनिश्चित हो जाएगा।

महंगाई की डबल मार: रसोई गैस, ईंधन के बाद दूध-दाल और अनाज भी महंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर एक और बड़ा झटका लगा है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 29 रुपये की बढ़ोतरी के बाद अब ईंधन, खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुओं के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं। बढ़ती कीमतों का सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट पर पड़ रहा है और रसोई का खर्च पहले की तुलना में काफी अधिक हो गया है। विशेषज्ञों के अनुसार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के कारण परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ गई है। इसका असर सप्लाई चेन पर पड़ा है और खाद्य वस्तुओं सहित लगभग हर उत्पाद महंगा हो गया है। दूध उत्पादकों पर पशु चारा, पैकेजिंग और ईंधन लागत का दबाव बढ़ने से कई डेयरी कंपनियों ने दूध की कीमतों

में करीब दो रुपये प्रति लीटर तक वृद्धि की है। दाल, खाद्य तेल, सब्जियां और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री भी महंगी हो गई हैं। बाजार विशेषज्ञों का अनुमान है कि आम परिवार की थाली का खर्च पिछले कुछ महीनों में करीब 30 प्रतिशत तक बढ़ा है। इसके अलावा साबुन, डिटर्जेंट और अन्य उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों ने भी बढ़ती लागत का हवाला देते हुए कीमतों में 2 से 14 प्रतिशत तक वृद्धि की है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी हालिया रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहीं तो आने वाले समय में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है। इससे महंगाई पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा और खाद्य पदार्थों के साथ-साथ कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सीमेंट, सिरेमिक तथा निर्माण सामग्री जैसे क्षेत्रों में भी कीमतें बढ़ सकती हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार घरेलू एलपीजी पर लागत और बिक्री मूल्य के बीच का अंतर यानी अंडर-रिकवरी वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक 60,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह पिछले वर्ष के 41,338 करोड़ रुपये की तुलना में काफी अधिक है। इस स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपये के मुआवजे को मंजूरी दी है। वहीं, उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी जारी रहेगी, जिससे 10.58 करोड़ से अधिक परिवार लाभान्वित होंगे।

मानसून देश के सात राज्यों में पहुंचा

मध्यप्रदेश-राजस्थान में आंधी के साथ बारिश

नई दिल्ली। मानसून महाराष्ट्र के देवगढ़ पहुंच गया है। अनुमान है कि अगले दो में यह पूरे महाराष्ट्र को कवर कर लेगा। पूर्वोत्तर के मिजोरम और मणिपुर में भी मानसून पहुंच चुका है। सम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन में यह महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के बाकी हिस्सों के साथ तेलंगाना और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में पहुंच सकता है। मानसून के कारण केरलम, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि चेन्नई में लगातार 5वें दिन पारा 40 डिग्री का आंकड़ा पार कर गया। उत्तर भारत में भी पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ दिल्ली, यूपी, पूर्वी राजस्थान में तेज गर्मी का दौर दोबारा शुरू हो गया है। यहां कई इलाकों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। देश में गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में शनिवार को तेज बारिश हुई। मध्यप्रदेश में भोपाल समेत चार जिलों में 50किमी की रफ्तार से आंधी चली। राजस्थान के बीकानेर में बारिश के साथ ओले गिरे। यूपी के मऊ और गाजीपुर में भी शनिवार को बारिश हुई।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

झूला झूलते समय गिरा जर्जर ईंटों का खंभा, छह साल की बच्ची की मौत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। नरेला इंडस्ट्रियल एरिया (एनआईए) थाना क्षेत्र के मेट्रो विहार, होलंबी खुर्द में एक दर्दनाक हादसे में छह वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। बच्ची रस्सी के झूले पर झूल रही थी, तभी उससे बंधा पुराना और जर्जर ईंटों का खंभा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। गंभीर रूप से घायल बच्ची को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार छह जून को सूचना मिली थी कि एक बच्ची नाले में गिर गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां छह वर्षीय बच्ची अचेत अवस्था में एक ढंके हुए सेप्टी टैंक के ऊपर पड़ी मिली। पुलिस ने तत्काल उसे सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल (एसआरएचसी) पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया कि घटनास्थल पर ईंटों का एक पुराना खंभा था, जो काफी जर्जर हालत में था। खंभे के एक सिरे से रस्सी बंधी हुई थी, जबकि दूसरा सिरा पास की दीवार की ग्रिल से बंधा था। स्थानीय बच्चे उसी रस्सी का झूले के रूप में इस्तेमाल करते थे। पुलिस के मुताबिक हादसे के समय बच्ची झूला झूल रही थी। इसी दौरान कमजोर हो चुका ईंटों का खंभा अचानक ढह गया और उसके नीचे बच्ची दब गई। सिर और शरीर पर गंभीर चोट लगने के कारण उसकी हालत बिगड़ गई। मृत बच्ची का शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया गया है। पुलिस परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि जर्जर खंभा वहां कब से मौजूद था और उसकी स्थिति को लेकर पहले कोई शिकायत की गई थी या नहीं। हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्ची रोज की तरह खेल रही थी, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि खेल-खेल में इतना बड़ा हादसा हो जाएगा। पुलिस ने कहा है कि मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

रजोकरी फ्लाईओवर पर दर्दनाक हादसा, मंदिर जा रहे परिवार की महिला की मौत, पांच घायल

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत कुंज पश्चिम थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के रजोकरी फ्लाईओवर पर हुए भीषण सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सफदरजंग अस्पताल और एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हादसे के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे इनोवा चालक को हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक जांच में चालक के नशे में होने की आशंका जताई गई है। पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह करीब 4:25 बजे पीसीआर कॉल के जरिए रजोकरी फ्लाईओवर पर सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि गुरुग्राम की ओर जा रहे एक बजाज मैक्सिमा टेंपो को पीछे से तेज रफ्तार टोयोटा इनोवा ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।हादसे के समय टेंपो में सवार सभी लोग उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके के रहने वाले थे और गुरुग्राम स्थित एक मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। दुर्घटना में 47 वर्षीय कृपा देवी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं वंश (8 वर्ष), नक्श (14 वर्ष), ईशान (2 वर्ष), सावित्री देवी (60 वर्ष), नैना (34 वर्ष) और राहुल (37 वर्ष) घायल हो गए। चालक को मामूली चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, सीएटीएस एंबुलेंस, फायर सर्विस और अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के समय कथित इनोवा चालक मौके पर ही मौजूद मिला, जिसे हिरासत में ले लिया गया। चालक के नशे में होने की आशंका के चलते उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद कुछ समय तक फ्लाईओवर पर यातायात भी प्रभावित रहा।

दिल्ली सरकार का 14 जून को यमुना स्वच्छता अभियान

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली सरकार यमुना नदी को उसका गौरव लौटाने, नदी के तटों को स्वच्छ बनाने व पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से 14 जून को यमुना तट स्वच्छता अभियान का आयोजन करेगी। इस अभियान में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि यमुना केवल नदी नहीं बल्कि दिल्ली की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यावरणीय धरोहर है। यमुना के संरक्षण का दायित्व सरकार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक का भी है। इसी सोच को जन-जन तक पहुंचाने और सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए यह व्यापक अभियान आयोजित किया जा रहा है। 14 जून को यमुना रिवरफ्रंट के प्रमुख घाटों पर एक साथ स्वच्छता और जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। अभियान में लगभग 500 सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक और स्वयंसेवी संगठनों के साथ हजारों स्वयंसेवकों की भागीदारी होगी।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष सीपीए उत्तर क्षेत्र सम्मेलन को करेंगे संबोधित

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र जोन-II उत्तर क्षेत्र के प्रतिष्ठित सम्मेलन को "विकसित भारत 2047 के लक्ष्य और भविष्य की चुनौतियों को साकार करने में जागरूक समाज और विधायकों की भूमिका" विषय पर संबोधित करेंगे। यह जानकारी रविवार को एक विज्ञप्ति दी।हरियाणा विधानसभा चंडीगढ़ में 8-9 जून तक आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन में उत्तर भारत के शीर्ष पीठासीन अधिकारी, अध्यक्ष और विधायक शामिल होंगे। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य इस दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास रोडमैप के साथ विधायी प्रयासों को जोड़ना और उस पर मंथन करना

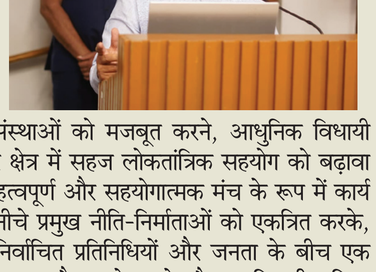

है।यह सम्मेलन संसदीय संस्थाओं को मजबूत करने, आधुनिक विधायी प्रथाओं में सुधार लाने और क्षेत्र में सहज लोकतांत्रिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण और सहयोगात्मक मंच के रूप में कार्य करता है। एक ही छत के नीचे प्रमुख नीति-निर्माताओं को एकत्रित करके, इस आयोजन का उद्देश्य निर्वाचित प्रतिनिधियों और जनता के बीच एक व्यावहारिक संवाद स्थापित करना है। सम्मेलन के दौरान प्रतिभागी भविष्य की सामाजिक-आर्थिक बाधाओं का विश्लेषण करेंगे और तेजी से विकसित हो रहे राष्ट्र की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए सक्रिय शासन तंत्र का खाका तैयार करेंगे।दिल्ली विधानसभा का प्रतिनिधित्व करते हुए विजेंद्र गुप्ता इन उच्च स्तरीय सत्रों में भाग लेंगे और नागरिकों को सशक्त बनाने तथा विधायी प्रक्रिया में जनभागीदारी बढ़ाने पर अपने बहुमूल्य विचार साझा करेंगे। संसदीय उत्कृष्ट प्रथाओं के रचनात्मक आदान-प्रदान के माध्यम से उपस्थित व्यक्तियों का लक्ष्य नीति-निर्माताओं के लिए क्षेत्रीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से हल करना का एक मजबूत रोडमैप तैयार करना है। जागरूक समाज और समर्पित विधायक मिलकर वर्ष 2047 तक भारत को एक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण को साकार कर सकेंगे।

डीटीसी के बेड़े में 2800 ईवी बसें शामिल की जाएगी : पंकज कुमार सिंह

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने पीएम ई-ड्राइव योजना (प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रेवोलुशन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट) के अंतर्गत डीटीसी के बेड़े में पूरी तरह से इलेक्ट्रिक 2800 एयर-कंडीशन्ड लो-फ्लोर बसों को शामिल करने की योजना बनाई है। यह जानकारी रविवार को दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दी।परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रस्तावित फ्लीट में 1400 नौ-मीटर और 1400 बारह-मीटर वाली इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल से पूरे दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट तक पहुंच बेहतर होगी और 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' को भी मजबूती मिलेगी। खासकर दिल्ली के उन इलाकों में जहां अभी सुविधाएं कम हैं या फिर जो शहर के बाहरी इलाके में स्थित हैं।परिवहन मंत्री ने कहा कि दिल्ली परिवहन विभाग को राजधानी दिल्ली में पहले से चल रही नौ-मीटर वाली इलेक्ट्रिक बसों के प्रदर्शन के बेहद सकारात्मक नतीजे दिखाई दिए हैं, खासकर ये बसें लोकल और फीडर ट्रांसपोर्ट की जरूरतों को पूरा करने में बेहद प्रभावी साबित हुई हैं। इसी अनुभव के आधार पर नई इलेक्ट्रिक बसों को शामिल करने का उद्देश्य ऐसा संतुलित बेड़ा बनाना है, जो ज्यादा भीड़भाड़ वाले रास्तों और आसपास के इलाकों की फीडर कनेक्टिविटी की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करेगा।उन्होंने कहा कि यह पहल दिल्ली सरकार के उस बड़े विजन का हिस्सा है, जिसका मकसद पूरे शहर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए डीटीसी की बसों की संख्या बढ़ाना और जीरो-एमिशन आधारित ट्रांसपोर्ट संसाधनों की हिस्सेदारी को भी बढ़ावा देना है। अपनी लंबी अवधि की इस रणनीति के तहत दिल्ली सरकार का लक्ष्य वर्ष 2028-29 तक दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट बसों की कुल संख्या को बढ़ाकर लगभग 14000 बसों तक पहुंचाना है, ताकि पूरी दिल्ली में यात्रियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, ज्यादा सर्विस कवरेज और अधिक सुविधाजनक परिवहन की सेवा सुनिश्चित की जा सके। फिलहाल दिल्ली में लगभग 4300 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं, जो इसे देश के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक बस फ्लीट में से एक बनाती हैं। दिल्ली सरकार का लक्ष्य इस साल के आखिर तक इस संख्या को बढ़ाकर लगभग 7500 इलेक्ट्रिक बसों तक पहुंचाना है, जिससे स्वच्छ और सस्टेनेबल पब्लिक ट्रांसपोर्ट को और अधिक मजबूती मिलेगी।परिवहन मंत्री ने कहा कि विस्तार के अगले चरण में दिल्ली सरकार पीएम ई- ड्राइव फेज-II के तहत 3330 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक बसों को शामिल करने की योजना पर काम कर रही है। इनमें 500 बसें सात मीटर लंबाई वाली ऐसी इलेक्ट्रिक बसें भी शामिल हैं, जो फीडर सेवाओं और 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' को और अधिक मजबूत करने में बेहद अहम भूमिका निभाएंगी। इससे बस नेटवर्क और भी बेहतर होगा और साथ ही रिहायशी, ग्रामीण और उन इलाकों में भी पब्लिक ट्रांसपोर्ट तक पहुंच आसान होगी जहां अभी इसकी सुविधाएं कम है।

दिल्ली में आयोजित हुआ अभिनेता असरानी की आखिरी फिल्म "हम अंग्रेज़ों के ज़माने के जेलर हैं" का प्रेस कॉन्फ्रेंस

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। बहुप्रतीक्षित हिंदी फिल्म "हम अंग्रेजों के ज़माने के जेलर हैं" का भव्य प्रेस कॉन्फ्रेंस राजधानी दिल्ली के फिल्म डिवीजन में आयोजित किया गया। यह फिल्म दिग्गज अभिनेता असरानी की आखिरी फिल्मों में से एक मानी जा रही है, जिसके चलते इस प्रोजेक्ट को लेकर दर्शकों और फिल्म प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। इस मौके पर अभिनेता मुश्ताक खान, निर्देशक राकेश सावंत और निर्माता भंवर सिंह पुंडीर उपस्थित रहे और उन्होंने मीडिया के साथ फिल्म से जुड़े कई दिलचस्प अनुभव साझा किए। फिल्म में मिलिंद गुणाजी, जरीना वहाब, मुश्ताक खान सहित कई अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन राकेश सावंत ने किया है, जबकि इसे श्वेता चौहान, भंवर सिंह पुंडीर और राकेश सावंत ने प्रोड्यूस किया है। इससे पहले मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राखी सावंत ने असरानी जी को श्रद्धांजलि देते हुए फिल्म शोले के उनके आइकॉनिक जेलर किरदार पर एक विशेष प्रस्तुति दी थी, जिसने सभी को भावुक कर दिया था। दिल्ली प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान निर्देशक राकेश सावंत ने बताया कि जब असरानी जी को फिल्म का शीर्षक "हम अंग्रेजों के ज़माने के जेलर हैं" बताया गया, तो वे बेहद खुश हुए और उन्होंने फिल्म की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया।

मंत्री इंद्राज ने 18 करोड़ की विकास परियोजना का किया शिलान्यास

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने रविवार को प्रकाश विहार शाहबाद एक्सटेंशन-II में 18 करोड़ रुपये की लागत से गली एवं नाले के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। यह कार्य मुख्यमंत्री विकास निधि के अंतर्गत सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग कर रहा है।इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री इंद्राज सिंह ने कहा कि बवाना विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से विकास कार्य न होने के कारण अनेक मूलभूत समस्याएं उत्पन्न हो गई थीं। वर्तमान सरकार इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि पूर्व में समय पर विकास कार्य किए गए होते तो आज बवाना क्षेत्र की तस्वीर अलग होती। अब सरकार संकल्प के साथ कार्य कर रही है और बवाना के एक-एक क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि बवाना विधानसभा का कोई भी हिस्सा विकास से अछूता नहीं रहेगा तथा क्षेत्र को आधुनिक, विकसित एवं सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा।मंत्री इंद्राज ने कहा कि सरकार पानी, बिजली, सड़क, नालियां, जल निकासी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा तथा आवागमन जैसी बुनियादी सुविधाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। यही कारण है कि क्षेत्र में विकास कार्यों की गति लगातार बढ़ रही है और लोगों को इसका लाभ भी मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 3 जून को ही रोहिणी सेक्टर-22 में नालों के पुनर्निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया गया था। यह बवाना विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अतिरिक्त बवाना विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण किए जा रहे हैं तथा आने वाले समय में भी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रारंभ की जाएंगी। बवाना विधानसभा क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के अपने प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 5 जून को उनके प्रयासों से दरियापुर कलां स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय (उपदेश कौर) का पुनः संचालन प्रारंभ हुआ है। विद्यालय में नर्सरी से बारहवीं तक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे लगभग 700 से 800 बालिकाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। यह बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में टाटा पावर-डीडीएल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दरियापुर गांव की हरिजन बस्ती में असुरक्षित 11 केवी ओवरहेड लाइन को सुरक्षित प्रणाली में परिवर्तित करने के कार्य का उद्घाटन किया गया तथा नरेला-बवाना रोड स्थित एनएबी (नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड) के नए व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र का शिलान्यास भी किया गया। यह दृष्टिबाधित जनों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

अटारी बॉर्डर पर 'मैं वापस आऊंगा' ने रचा इतिहास, ए.आर. रहमान और इम्तियाज़ अली ने दी देश के वीरों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

लोकतंत्र की शान

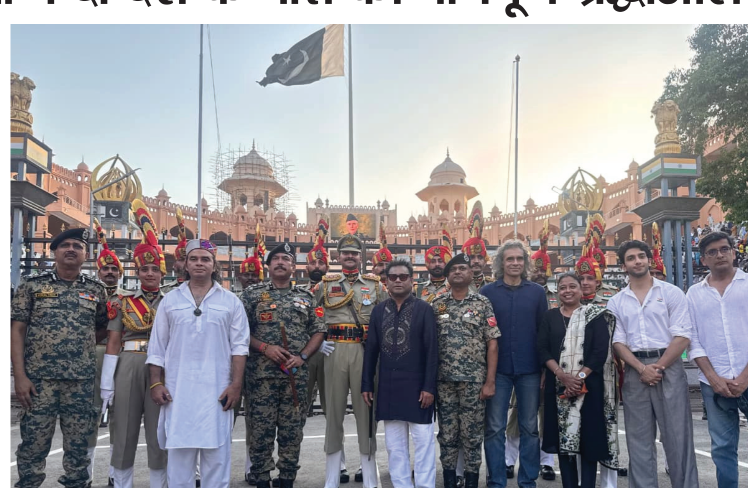

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' ने आज एक ऐतिहासिक पल दर्ज किया, जब इसके संगीतकार पद्म भूषण सम्मानित, ऑस्कर और ग्रैमी विजेता ए.आर. रहमान ने पहली बार प्रतिष्ठित अटारी बॉर्डर पोस्ट पर लाइव परफॉर्मेंस दी। यह प्रस्तुति देश के बहादुर सीमा सुरक्षा बल (BSF) के जवानों को समर्पित थी। प्रसिद्ध बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी के दौरान आयोजित 'जय हो – ए म्यूज़िकल सैल्यूट टू द ब्रेवहार्ट्स' कार्यक्रम में हजारों दर्शक JCP स्टेडियम में जुटे। देशभक्ति, गर्व और कृतज्ञता के भाव से सराबोर यह माहौल बेहद भावुक और ऊर्जा से भरपूर रहा। स्टेडियम में गूंजती तालियों और जयकारों ने इस आयोजन को एक ऐतिहासिक क्षण बना दिया। अटारी बॉर्डर पर इस आयोजन का फिल्म से विशेष संबंध भी है। 'मैं वापस आऊंगा' भारत विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक भावनात्मक कहानी है, जो उस दौर के लोगों की यादों और अनुभवों से प्रेरित है। यह कहानी बिछड़े रिश्तों, अधूरी मोहब्बत और दिलों में बसे दर्द को दर्शाती है। कार्यक्रम की शुरुआत निर्देशक इम्तियाज़ अली, बिरला स्टूडियोज़ की अनन्या बिरला, अभिनेता वेदांग रैना और विंडो सीट फिल्म्स के निर्माता मोहित चौधरी ने दर्शकों का स्वागत कर और BSF के जवानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए की। फिल्म के निर्माताओं ने अपने आगामी म्यूज़िक एल्बम को भारतीय सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान को समर्पित किया। संगीतमय शाम की शुरुआत ए.आर. रहमान के मधुर गीत 'चंदा सूरज लाखों तारे' से हुई। इसके बाद फिल्म के गीतों की प्रस्तुतियों ने माहौल को और जीवंत बना दिया। 'मस्कारा' गीत को नीलांजना घोष और वेदांग रैना ने प्रस्तुत किया, जबकि 'इश्क मस्ताना' को मोहित चौहान, पूजा तिवारी और नरगिस ने अपनी आवाज़ दी। कार्यक्रम का समापन रहमान के प्रसिद्ध गीत 'मां तुझे सलाम' के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति से भर दिया।

चंडीगढ़ पुलिस का एएसआई रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया, सीबीआई ने किया गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने चंडीगढ़ पुलिस के सेक्टर-39 थाने में तैनात सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) हितेश कुमार को 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपित पर सड़क दुर्घटना मामले में वाहन को छोड़ने और शिकायतकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज नहीं करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है।सीबीआई ने रविवार को बताया कि इस मामले में 6 जून को शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि एएसआई हितेश कुमार ने सड़क दुर्घटना से जुड़े एक मामले में उसका वाहन छोड़ने और उसके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं करने के एवज में 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। जांच के दौरान बातचीत के बाद आरोपित 40 हजार रुपये लेने पर सहमत हो गया। इसके बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और 6 जून को आरोपित एएसआई को शिकायतकर्ता से 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार एएसआई को चंडीगढ़ की सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई ने आरोपित के ठिकानों पर तलाशी अभियान भी शुरू किया है। मामले की जांच जारी है।

फैक्ट्री कर्मचारी से लूट करने वाला फरार बदमाश गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। मध्य जिला पुलिस ने लूट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आनंद पर्वत थाना पुलिस ने तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 24 वर्षीय साहिल को गिरफ्तार किया है। आरोपित लूट के मामले में वांछित था और घटना के बाद से फरार चल रहा था। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने रविवार को बताया कि छह अप्रैल 2026 को आनंद पर्वत इलाके के राम धर्म कांटा के पास एक व्यक्ति से लूट की वारदात हुई थी। घटना की सूचना पीसीआर कॉल के जरिए पुलिस को मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को उस समय शिकायतकर्ता नहीं मिला। बाद में पता चला कि पीड़ित घटना के बाद सीधे अपने घर चला गया था और उसने ऑनलाइन ई-एफआईआर दर्ज कराई थी।जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह फैक्ट्री से काम खत्म कर घर लौट रहा था। इसी दौरान राम धर्म कांटा के पास तीन युवकों ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और उसका ओप्पो ए-12 मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए।आठ अप्रैल को पुलिस ने पीड़ित का विस्तृत बयान दर्ज किया, जिसके आधार पर मामले में लूट की धारा जोड़ी गई और जांच तेज कर दी गई। प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस ने 12 अप्रैल को एक आरोपित जय किशन को गिरफ्तार कर लिया था। उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया था। हालांकि वारदात में शामिल दूसरा आरोपित साहिल लगातार पुलिस की पकड़ से बाहर था। फरार आरोपित की तलाश के लिए आनंद पर्वत थाना पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। टीम में एएसआई कृष्ण, हेड कांस्टेबल मोहसिन और कांस्टेबल रवि को शामिल किया गया। टीम ने आरोपित की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी और तकनीकी सर्विलांस के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। पांच जून को पुलिस को सूचना मिली कि वांछित आरोपित आनंद पर्वत इलाके में आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाया और आरोपित साहिल को दबोच लिया। पूछताछ में उसके मामले में शामिल होने की पुष्टि हुई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपित से पूछताछ की जा रही है और मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित अन्य आपराधिक मामलों में भी शामिल रहा है या नहीं।

सराय काले खां के पास 292 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार, फोर्ड इकोस्पोर्ट कार भी जब्त

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड (एएनएस) ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से 292 ग्राम उच्च गुणवत्ता की हेरोइन (स्मैक) बरामद की गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही फोर्ड इकोस्पोर्ट कार को भी जब्त कर लिया है। बरामद हेरोइन की मात्रा व्यावसायिक श्रेणी में आती है। दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने रविवार को बताया कि नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एएनएस की टीम इलाके में सक्रिय तस्करों पर लगातार नजर रख रही थी। इसी दौरान छह जून को टीम को एक तस्कर के सराय काले खां मेट्रो स्टेशन के पास आने की गुप्त सूचना मिली। सूचना को पुख्ता मानते हुए इंस्पेक्टर विष्णु दत्त के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस टीम ने सराय काले खां मेट्रो स्टेशन के निकट जाल बिछाकर संदिग्ध वाहन को रोक लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने वाहन में सवार 43 वर्षीय विनोद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी दिल्ली के नांगलोई इलाके का रहने वाला है। जांच के दौरान उसके कब्जे से 292 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही फोर्ड इकोस्पोर्ट कार भी जब्त कर ली गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सनलाइट कॉलोनी थाने में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े कई अहम खुलासे किए हैं। पुलिस अब उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और सप्लाई चेन के आगे व पीछे के लिंक खंगालने में जुटी है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित पहले भी आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है। उसके खिलाफ हत्या का एक मामला और ओडिशा में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक मामला दर्ज है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बरामद हेरोइन कहां से लाई गई थी और इसे किसे सप्लाई किया जाना था, इसकी जांच की जा रही है। साथ ही आरोपी के अन्य सहयोगियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस का कहना है कि राजधानी में नशा तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

अनुपयोगी प्लास्टिक का उपयोग कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, गजरौला। छात्र-छात्राओं ने वेस्ट हो चुकी प्लास्टिक को अपनी कलाकारी से री-यूज लायक बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उनकी प्रतिभा की सभी ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। प्रथम, द्वतीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को सम्मानित भी किया गया।जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन ने हाईवे किनारे वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें आनंद डिग्री कालेज, रमाबाई आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय के साथ ही गांव नाईपुरा, शहबाजपुर डोर, सलेमपुर गोसाईं, सुल्तानठेर आदि में स्थित प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। उन्होंने अनुपयोगी हो चुकीं प्लास्टिक की बोतल, प्लेट आदि पर चित्रकारी कर उन्हें फिर से उपयोग के लायक बना दिया। वेस्ट प्लास्टिक को फूलदान, कलमदान, डलिया आदि का स्वरूप प्रदान किया। मुख्य अतिथि जुबिलेंट इनग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही कहा कि बच्चों की इस कला से हम वेस्ट प्लास्टिक को री-यूज लायक बना सकते हैं। इससे प्रदूषण भी नहीं फैलेगा। इस मौके पर जेबीएफ की सीएसआर टीम के कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव, चंदन प्रदान, गीता सिंह, एनआईआईटी फाउंडेशन की पूजा सागर, रजत वर्मा, बूंदी सिंह, नवनीत ग्रेवाल, नूर मसीह आदि भी मौजूद रहे।

MP से आने वाली गाड़ियों से गिरवां, दुरेड़ी मटौंध में जबरन वसूली, ड्राइवरों में दहशत

लोक तंत्र की शान : बांदा/संतराम सिंह | जिला प्रशासन के कुंभकर्णी नींद की वजह से जिला पंचायत बांदा ठेके की आड़ में नैशनल हाईवे में बैरियर लगाकर अवैध वसूली जारी है जिस पर शासन के स्पष्ट आदेश है राष्ट्रीय मार्ग, राज्य मार्ग और जिला मार्गों पर मोरम गिट्टी लदे वाहनों से वसूली नहीं की जा सकती बावजूद इसके आरोप है कि दीपू कछवाह नामक व्यक्ति द्वारा डंडे-गुंडों के बल पर खुलेआम हाईवे पर अवैध वसूली कराई जा रही है। सूत्रों का दावा है कि सत्ता के कुछ दलालों और जिला पंचायत के सदस्यों ने मिलकर यह अवैध वसूली का ठेका ले रखा है। पाण्डेय ग्रुप सिर्फ मोहरा है, असली रसूखदार पर्दे के पीछे से खेल चला रहे हैं। शासनादेश के मुताबिक किसी भी राष्ट्रीय मार्ग, राज्य मार्ग या जिला मार्ग पर तहबाजारी या कोई अन्य वसूली नहीं की जा सकती। वसूली सिर्फ बालू खनन के उद्गम स्थल यानी खदान से ही की जाएगी। खनन निदेशालय ने कई बार पत्र जारी कर जिला प्रशासन को सख्ती के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद बांदा में आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश से बालू लेकर आने वाली गाड़ियों को गिरवां, दुरेड़ी और मटौंध इलाके में NH-35 और स्टेट हाईवे पर ही रोककर जबरन वसूली की जा रही है। यह वसूली पूरी तरह अवैध है क्योंकि ये वाहन बांदा की खदानों से नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्य से वैध रॉयल्टी चुकाकर आ रहे हैं। ड्राइवरों का आरोप है कि निर्धारित मूल्य से ज्यादा रुपये प्रति ट्रक वसूले जा रहे हैं। पैसे न देने पर गाली-गलौज, मारपीट और गाड़ी के शीशे तोड़े जा रहे हैं। चश्मदीदों के मुताबिक राष्ट्रीय राजमार्ग में दबंग किस्म के तहबाजारी गुंडे - डंडे लेकर तैनात रहते हैं। दिनदहाड़े सड़क पर ट्रकों की लंबी कतार लगवाकर वसूली की जाती है। विरोध करने वाले ड्राइवरो को वहां से न निकलने देने की धमकी दी जाती है। सूत्रों का दावा है कि इस अवैध वसूली के पीछे सत्ता से जुड़े कुछ दलाल सक्रिय हैं। जिला पंचायत के कुछ सदस्यों ने वसूली कराने का ठेका ले रखा है। हर महीने लाखों की उगाही ऊपर तक पहुंचाई जाती है। पाण्डेय ग्रुप का नाम सामने रखा गया है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि वह सिर्फ फ्रंट फेस है। असली कमाई रसूखदार नेताओं और अधिकारियों की जेब में जा रही है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ट्रांसपोर्टरों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि SIT या आर्थिक अपराध शाखा से जांच कराई जाए तो तहबाजारी के नाम पर हो रही अवैध वसूली के पूरे नेटवर्क का खुलासा हो जाएगा। जिला पंचायत से लेकर खनन विभाग तक की मिलीभगत सामने आएगी और दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा।

मंडल कारागार में बंदियों के लिए कृषि उद्यमी प्रशिक्षण की शुरुआत

लोक तंत्र की शान : बांदा। कैदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मंडल कारागार बांदा में एक सराहनीय पहल की गई है। इंडियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान , बांदा के तत्वावधान में जेल परिसर के भीतर 13 दिवसीय कृषि उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक मेवीस टॉक, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ जेल अधीक्षक शशि कान्त सिंह और प्रख्यात समाजसेविका श्रीमती सुमन शुक्ला द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक मेवीस टॉक ने प्रशिक्षण ले रहे कैदी प्रशिक्षुओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मासिक बैठक में समाजवादी विचारधारा को घर-घर पहुंचाने का लिया गया संकल्प

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय अमरोहा पर मासिक बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कुलदीप सिंह भुल्लर उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर गंगेश्वरी के कर्मठ ब्लॉक प्रमुख एवं वरिष्ठ समाजवादी नेता राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने भी सक्रिय सहभागिता की। राजेंद्र खड़कवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि समाजवादी पार्टी ही गरीब, किसान, मजदूर और नौजवान की सच्ची हितैषी है। डॉ. राममनोहर लोहिया और मुलायम सिंह यादव के सिद्धांतों पर चलकर ही सामाजिक न्याय की लड़ाई जीती जा सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि समाजवादी विचारधारा को गांव-गांव, घर-घर तक पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है। राजेंद्र सिंह खड़कवंशी की गिनती जनपद के तेजतर्रार और जमीनी नेताओं में होती है। ब्लॉक प्रमुख के रूप में उन्होंने गंगेश्वरी क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति दी है। जनता के बीच उनकी साफ-सुथरी छवि और हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने की कार्यशैली उन्हें लोकप्रिय बनाती है। बैठक में उन्होंने संकल्प दोहराया कि संगठन को मजबूत कर 2027 में समाजवादी सरकार बनाने के लिए हर कार्यकर्ता जी-जान से जुटेगा। मुख्य अतिथि कुलदीप सिंह भुल्लर ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां ही उत्तर प्रदेश को खुशहाली की राह पर ले जा सकती हैं। बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की समस्याओं पर सिर्फ सपा ही आवाज उठाती है। उन्होंने राजेंद्र खड़कवंशी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जुझारू नेता ही पार्टी की असली ताकत हैं। बैठक में पदाधिकारियों ने सदस्यता अभियान तेज करने, पीडीए को जोड़ने और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन की रणनीति बनाई। अंत में सभी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय का फीता काट हुआ उद्घाटन

लोक तंत्र की शान/ मंडल प्रभारी
अवनीत कुमार शर्मा

जनपद मुरादाबाद उत्तर प्रदेश/बिलारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा स्वर्गीय बाबा लक्ष्मण दास मठ के निकट राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के लिए स्वीकृत भूमि का तहसीलदार आदित्य कुमार पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव पालिका अधिशासी अधिकारी रजनी सिंह ,ने फीता काट उद्घाटन कर स्वर्गीय बाबा लक्ष्मण दास के मठ पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान निशुल्क चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर ज्योति डॉक्टर वर्णिका डॉक्टर झरना आदि द्वारा मरीज को स्वास्थ्य परामर्श एवं निशुल्क दवाइयां वितरित की गई। शिविर में लगभग 272 मरीज पहुंचे जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी लाभ दिया गया। कार्यक्रम का संचालन नागरिक परिषद संगठन संयोजक डॉक्टर जितेंद्र दक्ष ने किया। पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सालय भूमि की पैमाइश कराकर तारबंदी कर दी गई है और जल्द ही एक अस्थाई कमरे की व्यवस्था कर दी जाएगी। वाइट, नागरिक परिषद संगठन अध्यक्ष राकेश रफीक वाइट,,, पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव

फर्जी कंपनी बनाकर हवाला कारोबार का पर्दाफाश, 35 लाख नकद समेत दो गिरफ्तार

» एसओजी और थाना बारादरी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बड़ा खुलासा

लोक तंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संवाददाता - संदीप चंद्रा) बरेली पुलिस ने हवाला कारोबार के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए फर्जी कंपनी के जरिए बेनामी धनराशि के अवैध लेनदेन में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 35 लाख रुपये नकद, चार मोबाइल फोन तथा दो फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की टीमें सक्रिय कर दी गई हैं। रविवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने पूरे मामले का खुलासा किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक तथा अपर पुलिस अधीक्षक शिवम आशुतोष भी उपस्थित रहे। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एसओजी टीम और थाना बारादरी पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि एक बंद पड़ी कंपनी के बैंक खाते का उपयोग बड़े पैमाने पर संदिग्ध धनराशि के लेनदेन और हवाला कारोबार के लिए किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त टीम ने मोहल्ला माधोबाड़ी क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हजियापुर निवासी जमीर तथा राजस्थान के बीकानेर निवासी जगदीश चोटिया के रूप में हुई। तलाशी के दौरान पुलिस को 35 लाख रुपये नकद, दो फर्जी आधार कार्ड तथा चार मोबाइल फोन बरामद हुए।

भाजपा जन कल्याण मंच की जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक हुई संपन्न

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को बीजेपी जन कल्याण मंच की एक जिला स्तरीय बैठक बीजेपी जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह के रहारा रोड स्थित आवास/कैंप कार्यालय पर संपन्न हुई जिसमें जिला स्तरीय पदाधिकारी से लेकर ग्राम स्तर तक के पदाधिकारी भारी संख्या में मौजूद रहे, बैठक का शुभारंभ भारत माता तथा दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित करके किया गया,बैठक को विभिन्न वक्ताओं ने संबोधित करते हुए अपने-अपने विचार रखें, वहीं बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने कहा कि हमारे संगठन का उद्देश्य भाजपा की केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचना है तथा जारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है, वहीं जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने बताया कि मात्र ढाई/ तीन महीने में ही अमरोहा जिले में बीजेपी जन कल्याण मंच की बढ़ती हुई लोकप्रिय को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा उन्हें प्रदेश स्तरीय बड़ी जिम्मेदारी दी जा रही है जिसके चलते जिला अध्यक्ष अमरोहा का पद खाली हो जाएगा जिसको लेकर उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि नया जिला अध्यक्ष आप लोगों के बीच में से ही बनेगा तथा जो भी जिला अध्यक्ष बने उनके साथ भी कंधे से कंधा मिलाकर संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करना होगा, इस मौके पर मुख्य रूप से रुमाल सिंह सैनी, बबलू सेन, दिनेश लोहिया, पवन नेताजी, सीमा यादव, राजपाल जाटव आदि सहित भारी संख्या में संगठन के जिला एवं ग्राम स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

बरेलीः मढ़ीनाथ कैंट में PDA महापंचायत, डॉ. अनीस बेग बोले– एकता और शिक्षा से ही बदलेगी समाज की तस्वीर

लोक तंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली के मढ़ीनाथ कैंट क्षेत्र में शुक्रवार को पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक (PDA) समाज की एक विशाल महापंचायत का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भागीदारी कर सामाजिक एकता, शिक्षा, विकास और अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर सामाजिक न्याय और समग्र विकास के लिए जागरूकता बढ़ाना रहा। महापंचायत में पहुंचे लोगों के उत्साह और सहभागिता ने कार्यक्रम को एक बड़े सामाजिक संवाद का स्वरूप दिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने समाज के कमजोर और वंचित वर्गों की स्थिति, शिक्षा की भूमिका, रोजगार के अवसर और सामाजिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे।

डॉ. अनीस बेग ने दिया एकता और जागरूकता का संदेश–महापंचायत को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. अनीस बेग ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी संख्या में नहीं बल्कि उसकी एकता, शिक्षा और जागरूकता में होती है। उन्होंने कहा कि यदि समाज के सभी वर्ग संगठित होकर अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझेंगे तो विकास की नई दिशा तय की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज समय की मांग है कि समाज शिक्षा को प्राथमिकता दे और नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करे। सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत समाज ही भविष्य में अपनी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित कर सकता है।

युवाओं से शिक्षा को हथियार बनाने का आह्वान–अपने संबोधन में डॉ. अनीस बेग ने विशेष रूप से युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि समाज को बदलने की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाकर समाज के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएं।

पारिवारिक कलह के चलते विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

लोक तंत्र की शान/ मंडल प्रभारी
अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। उत्तर प्रदेश/शाहजाद नगर थाना क्षेत्र के ग्राम जादोपुर में शनिवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। पारिवारिक कलह से परेशान होकर एक विवाहिता ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम जादोपुर निवासी सुरेश की पत्नी नीतू (24 वर्ष) ने शनिवार दोपहर करीब 3:30 बजे घर के कमरे में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा है कि वह कुछ समय से पारिवारिक विवाद के चलते मानसिक रूप से परेशान थीं। घटना की सूचना मिलते ही शाहजाद नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल रामपुर भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वर्ष 2030 तक 2 गीगावाट अतिरिक्त डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने का लक्ष्य लेकर काम करें: मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान

लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2030 तक उत्तर प्रदेश में 2 गीगावाट से अधिक अतिरिक्त डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि डेटा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल अवसंरचना भविष्य की अर्थव्यवस्था के प्रमुख आधार हैं। ऐसे में उत्तर प्रदेश को इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए अभी से ठोस तैयारी करनी होगी। रविवार को उत्तर प्रदेश डेटा सेंटर नीति-2021 की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुरूप अधिक आकर्षक, व्यावहारिक और समयानुकूल नई नीति तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित नीति में एआई आधारित डेटा सेंटर, ऊर्जा दक्ष एवं पर्यावरण अनुकूल ग्रीन डेटा सेंटर, विश्वस्तरीय डिजिटल अवसंरचना, त्वरित अनुमोदन प्रणाली, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा बेहतर कनेक्टिविटी जैसे विषयों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि उत्तर प्रदेश देश में डेटा सेंटर निवेश का सबसे पसंदीदा केंद्र बन सके। प्रमुख सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि वर्ष 2026 तक देश की कुल डेटा सेंटर क्षमता में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 8 से 9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि डेटा सेंटर नीति-2021 के तहत 900 मेगावाट क्षमता विकसित करने तथा 30 हजार करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया था। इसके सापेक्ष अब तक 21,342.90 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव स्वीकृत किए जा चुके हैं और निवेशकों को लेटर ऑफ कंफर्ट भी जारी किए गए हैं। वर्तमान में प्रदेश में छह डेटा सेंटर पार्क और दो डेटा सेंटर इकाइयां संचालित हैं, जबकि 644 मेगावाट की प्रतिबद्ध क्षमता पर कार्य प्रगति पर है।

संभल में बुलडोजर चला तो महिलाएं फूट-फूट कर रोई

हाथ जोड़कर बोली गांव में एक ही मस्जिद है इसे मत तोड़िए

लोक तंत्र की शान/ मंडल प्रभारी
अवनीत कुमार शर्मा

संभल/ उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में रविवार को लगातार सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटाए जा रहे हैं जिन लोगों ने सरकारी भूमि पर अभेद तरीके से बनवा रखा है सभी को नष्ट किए जा रहे हैं प्रशासनिक अधिकारी अलर्ट होकर कार्रवाई करने में जुड़े हैं। दूसरे दिन सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद मुस्तफा कादरी पर बुलडोजर चलेगा। शनिवार को मस्जिद का 50 फीसदी हिस्सा ढहा दिया गया था। इस बीच गांव की मुस्लिम महिलाओं के रोने बिलखने का वीडियो सामने आया है। इसमें महिलाएं और बच्चियां फूट फूट कर रो रही है। एक महिला हाथ जोड़कर प्रशासन से कह रही है। हमारे गांव में एक ही मस्जिद है हम हाथ जोड़कर निवेदन करते हैं कि हमारी कोई गलती नहीं है हमें ना मंदिर से कोई आपत्ति है ना ही किसी अन्य धार्मिक स्थल से हम सभी धर्म का सम्मान करते हैं बस यही यही प्रार्थना है कि हमारी मस्जिद को ऐसे ही रहने दिया जाए। इसे ना तोड़ा जाए हम हाथ जोड़कर माफी मांगते हैं। यह मामला जनपद संभल जिले के ग्राम कसेरुआ गांव में कब्रिस्तान की जमीन पर बनी थी तहसीलदार कोर्ट ने आदेश के बाद करीब 120 वर्ग मीटर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है। मस्जिद के आगे के इससे का पिलर गिराया जा चुका है। मस्जिद की 55 फीट मीनार भी क्रेन से ढहाई जा चुकी है। बुलडोजर एक्शन के दौरान संभल के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंची थे। तहसीलदार कोर्ट ने 21 अप्रैल को मस्जिद कमेटी के खिलाफ बेदखली का आदेश था हालांकि मस्जिद कमेटी ने जिलाधिकारी कोर्ट में अपील की लेकिन स्टे आदेश रोकने जैसा कोई फैसला नहीं किया गया इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई आगे बढ़ने का निर्णय लिया। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने मस्जिद मामले में विशेष टीम गठित की। नायब तहसीलदार दीपक कुमार को अभियान का प्रभारी बनाया गया राजस्व विभाग की टीम के साथ नगर पालिका संभल और पंचायत सिरसी से चार जेसीबी डंपर ट्रैक्टर और 20 सफाई कर्मचारियों को बुलाया गया।

संक्षिप्त समाचार

पति से विवाद के बाद युवती पुल पर पहुंची, नदी में कूदने की कर रही थी तैयारी, होमगार्ड जवानों ने बचाया

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में हाजीपुर-पटना को जोड़ने वाले पुराने गंडक पुल पर एक युवती को आत्महत्या करने से बचाया गया। युवती पुल से नदी में छलांग लगाने की तैयारी में थी, तभी होमगार्ड के दो जवानों ने उसे रोक लिया। सोनपुर के परमानंदपुर की रहने वाली खुशबू कुमारी अपने पति के साथ हाजीपुर में रहती है। बताया गया कि खुशबू ने प्रेम विवाह किया है और पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के बाद खुशबू आत्महत्या करने के इरादे से पुराने गंडक पुल पर पहुंच गई। हालांकि, नदी में कूदने से पहले ही होमगार्ड के जवान मौके पर पहुंच गए और उसे पकड़कर चेक पोस्ट ले आए। इसी दौरान युवती का पति भी वहां पहुंच गया। काफी समझाने-बुझाने के बाद खुशबू अपने पति के साथ घर लौट गई। हालांकि, पति-पत्नी के बीच विवाद का सटीक कारण सामने नहीं आया है। होमगार्ड जवानों की सतर्कता और राहगीरों की सक्रियता से एक युवती की जान बचाई जा सकी।

सोनपुर में कटाव रोधी कार्य के विरोध में धरना, ग्रामीणों ने ली जल समाधि, रिंग बांध की मांग

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। सोनपुर में गंगा किनारे चल रहे कटाव रोधी कार्य में कथित अनियमितता के विरोध में रविवार को नया बाजार घाट पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। "रिंग बांध बनाओ संघर्ष समिति" के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और युवा शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सांकेतिक जल समाधि भी ली। सुबह 7 बजे से ही लोगों का जुटना शुरू हो गया था। इस दौरान जोगीरा गायन, ग्रामीणों को संबोधित करना और मानव श्रृंखला बनाना जैसे कार्यक्रम हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कटाव रोधी बोल्डर पिचिंग कार्य में गंभीर अनियमितताएं बरती जा रही हैं, जिससे गंगा कटाव का खतरा लगातार बढ़ रहा है। धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते मजबूत रिंग बांध और गुणवत्तापूर्ण कटाव रोधी कार्य नहीं किया गया, तो क्षेत्र के कई गांवों पर संकट गहरा सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस कार्य की निष्पक्ष जांच और स्थायी समाधान की मांग की। प्रदर्शन के दौरान "जब तक हक की लड़ाई अधूरी है, तब तक संघर्ष हमारा जारी है" जैसे नारे लगाए गए। संघर्ष समिति ने यह भी चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

अवैध मिट्टी खनन पर विभाग की छापेमारी, 3 ट्रैक्टर किया जब्त, ड्राइवर और जेसीबी मशीन को मौके पर छोड़ा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के महनार थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन को लेकर एक बड़ा मामला सामने आया है। खनन विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर तीन ट्रैक्टर, एक जेसीबी और एक मोटरसाइकिल जब्त की। हालांकि, इस कार्रवाई के तरीके पर कई सवाल उठ रहे हैं। भारतेंदु नगर गांव में पहुंची खनन विभाग की टीम ने मौके पर अवैध मिट्टी खनन करते हुए इन वाहनों को पकड़ा। छापेमारी की भनक लगते ही कथित खनन माफिया मौके से फरार हो गए। कार्रवाई के दौरान घटनास्थल पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्रवाई के बाद खनन विभाग की टीम और खनन से जुड़े लोगों के बीच काफी देर तक बातचीत चलती रही। आरोप है कि करीब एक घंटे तक चले इस घटनाक्रम के बाद विभाग की टीम केवल तीन ट्रैक्टरों को अपने साथ ले गई, जबकि ट्रैक्टर चालकों और जेसीबी मशीन को मौके पर ही छोड़ दिया गया। अवैध मिट्टी खनन से जुड़े एक व्यक्ति ने फोन पर बातचीत में दावा किया कि महनार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन होता है। उसने यह भी आरोप लगाया कि खनन विभाग की कार्रवाई चयनात्मक होती है और कुछ लोगों को ही निशाना बनाया जाता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। यह सवाल उठ रहा है कि जब जेसीबी और अन्य वाहन मौके पर पकड़े गए थे, तो उन्हें क्यों छोड़ा गया? क्या यह कार्रवाई विभागीय नियमों के तहत की गई, या इसमें कोई अन्य कारण है? इन सवालों का जवाब खनन विभाग की आधिकारिक प्रतिक्रिया के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

हाजीपुर में मेधावी छात्र सम्मान समारोह आयोजित, विधायक अवधेश सिंह ने छात्रों को सम्मानित किया

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर में रविवार को जढ़ूआ ब्रह्मस्थान के समीप कुम्हार (प्रजापति) समन्वय समिति ने मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में हाजीपुर के विधायक अवधेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। समारोह के दौरान मैट्रिक, इंटरमीडिएट और अन्य परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और सम्मान देकर प्रोत्साहित किया गया। विधायक अवधेश सिंह ने अपने संबोधन में छात्रों से निरंतर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कई छात्र-छात्राएं मैट्रिक या इंटर पास करने के बाद पढ़ाई छोड़ देते हैं, जबकि सफलता के लिए लगातार प्रयास करना आवश्यक है। विधायक ने छात्रों को जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं, उसमें पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ मेहनत करने की सलाह दी। विधायक सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि गरीबी या आर्थिक स्थिति कभी भी प्रतिभा के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। उन्होंने छात्रों से यह सोच छोड़ने को कहा कि वे गरीब परिवार, गरीब राज्य या गरीब देश से आते हैं। उनके अनुसार, प्रतिभा किसी भी परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। शिक्षा ही वह सबसे बड़ा हथियार है, जिसके माध्यम से गरीबी और सामाजिक पिछड़ेपन पर विजय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने छात्रों को माता-पिता के सम्मान का महत्व भी समझाया। विधायक ने कहा कि जीवन में चाहे जितनी बड़ी सफलता हासिल कर लें, अपने माता-पिता का सम्मान कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि जब बच्चे शिक्षा और मेहनत के बल पर सफलता प्राप्त करते हैं, तो समाज भी उनके परिवार का सम्मान करने लगता है। इस अवसर पर उन्होंने राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न शिक्षा और महिला सशक्तिकरण योजनाओं का भी उल्लेख किया। विधायक ने कहा कि सरकार चाहती है कि बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ें और देश-समाज का नाम रोशन करें। उन्होंने छात्रों को हाल ही में चर्चा में रहे 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्मरण कराते हुए देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक, समाज के गणमान्य लोग और समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गैस नहीं मिलने पर सड़क जाम, लोगों ने सिलेंडर रखकर किया प्रदर्शन, हाजीपुर-महुआ मार्ग बाधित

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर-महुआ मुख्य मार्ग पर स्थित सुभई चौक के पास लोगों ने सड़क जाम कर दिया। यह प्रदर्शन गैस की अनुपलब्धता के विरोध में किया गया, जिससे सुबह से ही यातायात बाधित हो गया। सड़क जाम के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो गया। जाम में फंसे लोग काफी परेशान दिखे। सूचना मिलने पर सदर थाने की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि उन्हें गैस के लिए एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन गैस उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उन्होंने डिलीवरी करने वाले वाहन पर सवार एजेंसी कर्मियों पर मनमानी का आरोप लगाया। लोगों ने बताया कि गैस न मिलने के कारण उनके दैनिक कामकाज में परेशानी हो रही है और बच्चों के लिए समय पर खाना बनाना मुश्किल हो गया है।

अस्पताल की 5वीं मंजिल से गिरा आईटीबीपी दरोगा, मौत

पटना में इलाज के लिए भर्ती थे, बाथरूम का दरवाजा अंदर में बंद था, छपरा में थी पोस्टिंग

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के दीघा थाना क्षेत्र स्थित एशियन सिटी हॉस्पिटल में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के एक दरोगा की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान विजय सिंह (44) के रूप में हुई है, जो राजस्थान के भरतपुर जिले के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि वो ITBP में कार्यरत थे और वर्तमान में छपरा के जलालपुर स्थित कैंप में पोस्टेड थे। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें विजय सिंह ऊपर से नीचे गिरते दिख रहे है। घटना के बाद लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस

को मामले की सूचना दी। दीघा थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में शुरू कर दी है।

अस्पताल में भर्ती थे, वॉशरूम गए, फिर हुई घटना: बताया जा रहा है कि ITBP जवान विजय सिंह की तबीयत खराब होने के बाद 3 जून को उन्हें इलाज के लिए एशियन सिटी हॉस्पिटल लाया गया था। उनका इलाज चल रहा था। इसी दौरान रविवार को जवान 5वीं मंजिल पर वॉशरूम गया और छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने पांचवीं मंजिल पर भी पहुंची, जहां वॉशरूम का दरवाजा अंदर से बंद था। ऐसे में जवान के खिड़की से गिरने या फिर छलांग लगाने की जाहिर की जा रही है।

FSL टीम को बुलाया गया: घटना की सूचना मिलते ही दीघा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है, जो घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। दीघा थाने के दरोगा सुजीत कुमार ने बताया कि दिन के 12:30 बजे के करीब घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर CCTV फुटेज मिला, जिसकी जांच की जा रही है।

सभी पहलुओं से जांच: पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और अस्पताल कर्मियों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

27 जिलों में 9 जून तक बारिश का यलो अलर्ट

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार के 27 जिलों में 7 से 9 जून तक बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार इन जिलों में करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। राज्य में इन दिनों मौसम का दोहरा रूप देखने को मिल रहा है। राज्य के कई जिलों में एक ओर जहां बारिश हो रही है, वहीं कुछ जिलों में अब भी भीषण गर्मी का असर बना हुआ है। पिछले 24 घंटे के दौरान रोहतास के डेहरी में राज्य का सबसे अधिक तापमान 43.6 दर्ज किया गया। इसके अलावा बक्सर, कैमूर, छपरा और पटना समेत कई जिलों में भी तापमान सामान्य से ऊपर रहा। वहीं इस दौरान आकाशीय बिजली से जमुई, मुंगेर, बांका और बक्सर में एक-एक लोगों की मौत हुई है।

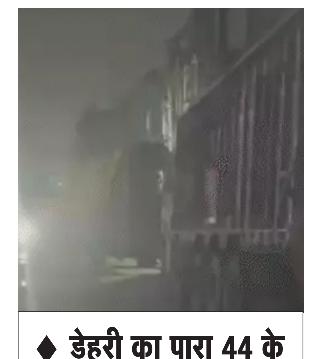

♦ **डेहरी का पारा 44 के करीब पहुंचा, बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत**

बिहार में एक तरफ तेज धूप और दूसरी तरफ बारिश: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बिहार के अलग-अलग हिस्सों में मौसम की स्थिति एक जैसी नहीं है। उत्तर और पूर्वी बिहार में बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाओं का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे बादल बन रहे हैं और बारिश हो रही है। वहीं दक्षिण-पश्चिम बिहार के कुछ हिस्सों में अभी भी गर्म और शुष्क हवाओं का असर बना हुआ है। यही कारण है कि एक ओर किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और दरभंगा जैसे इलाकों में बारिश हो रही है, जबकि दूसरी ओर रोहतास, कैमूर और बक्सर में तापमान ज्यादा है।

राबड़ी आवास के बाहर डटे हैं राजद कार्यकर्ता, सुरक्षा में कटौती पर सियासत जारी

लोकतंत्र की शान , पटना

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास पर के कार्यकर्ताओं का जुटान जारी है। कार्यकर्ता कल से ही आवास के बाहर डटे हुए हैं। लालू परिवार की सुरक्षा में कटौती के फैसले को लेकर समर्थकों में नाराजगी देखी जा रही है। सरकार की ओर से लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव किए जाने के बाद विवाद और गहरा गया है। बीते दिन नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और राबड़ी यादव ने अपनी Y+ श्रेणी की सुरक्षा वापस कर दी थी। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव आज सिंगापुर से पटना लौट सकते हैं। बता दें कि वो 30 मई को सिंगापुर पहुंचे थे जहां पर अपने किडनी से जुड़े रुटीन चेकअप के लिए वह वहां गए थे। इन सब के बीच दिल्ली में लालू प्रसाद यादव का पहला बयान सामने आया। सुरक्षा

❒ **लालू यादव बोले- जो करना है करने दीजिए, हमको मतलब नहीं**

घटाने और राबड़ी आवास खाली करने को लेकर लालू यादव ने कहा कि सब पागल हो गए हैं। यह घृणा है, हमको कोई मतलब नहीं है जो करना है कर लीजिए। इधर, राबड़ी देवी कौटिल्य नगर वाले घर पहुंचीं। घूम-घूमकर निरीक्षण किया। घर के अंदर चल रहे कार्यों का जायजा लिया। बताया जा रहा कि 15 दिनों से पहले ही कौटिल्य नगर आवास में पूरा लालू परिवार शिफ्ट हो सकता है।

कैरियर मेकर स्कूल से लापता तीन छात्र 48 घंटे में बरामद, पुलिस की त्वरित कार्रवाई सफल

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा पुलिस ने काशीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित कैरियर मेकर आवासीय विद्यालय से लापता हुए तीन छात्रों को महज 48 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सराहना की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 04 जून 2026 की रात लगभग 2:00 बजे से 4:00 बजे के बीच तीन छात्र बिना किसी सूचना के विद्यालय परिसर से निकल गए थे। काफी खोजबीन के बावजूद उनका पता नहीं चल सका, जिसके बाद 05 जून को काशीनगर थाना में मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्य, मानवीय सूचना और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए छात्रों को मानसी रेलवे स्टेशन से

सुरक्षित बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर छात्रों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। इस सफल अभियान में पुलिस टीम के कई अधिकारियों और कर्मियों की अहम भूमिका रही। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है।

पटना में खान सर के कोचिंग-हॉस्पिटल में फायर सेफ्टी जांच, कई गंभीर कमियां मिलीं

लोकतंत्र की शान , पटना

खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग के संस्थापक खान सर फायरिंग मामले पहले से मुश्किल में है। उन्हें गिरफ्तार करने के लिए पुलिस लगातार कोशिश कर रही है। इस बीच पटना स्थित खान सर की कोचिंग सेंटर और हॉस्पिटल में फायर सेफ्टी व्यवस्था की जांच के लिए रविवार को फायर सेफ्टी डिपार्टमेंट की ऑडिट टीम ने निरीक्षण किया। जांच के दौरान कोचिंग संस्थान और हॉस्पिटल में अग्नि सुरक्षा मानकों से जुड़ी कई गंभीर कमियां पाई गईं। इसके बाद विभाग ने कोचिंग और अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक सुधार के लिए 7 से 10 दिन का समय दिया गया है। फायर सेफ्टी विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय के भीतर कमियों को दूर नहीं किया गया तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की

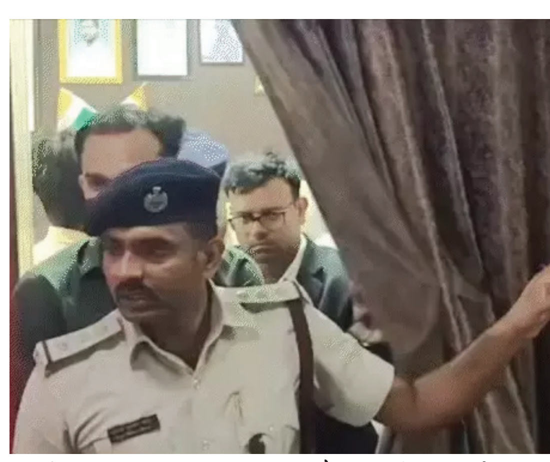

जाएगी।

एक सप्ताह में सुधार का निर्देश: फायर सेफ्टी विभाग ने कोचिंग प्रबंधन को एक सप्ताह के भीतर सभी जरूरी सुरक्षा मानकों को पूरा करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों का कहना है कि बड़ी संख्या में छात्र प्रतिदिन संस्थान में आते हैं, इसलिए अग्नि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कमियों को दूर नहीं किया तो कार्रवाई तय: अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, यह

♦ **फायर कमांडेंट बोले-एक सप्ताह में कमियां दूर करें, नहीं तो कार्रवाई होगी**

संस्थान का दूसरा फायर ऑडिट था। पहले निरीक्षण के दौरान भी कई सुझाव दिए गए थे, लेकिन अब तक उन पर संतोषजनक अमल नहीं किया गया है। विभाग निर्धारित समय सीमा के बाद दोबारा निरीक्षण करेगा। यदि कमियों को दूर नहीं किया गया तो नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

पटना- पीएमसीएच लैब टेक्नीशियन स्टूडेंट का मिला शव

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में एक बिल्डिंग से PMCH में लैब टेक्नीशियन की पढ़ाई कर रहे छात्र का शव बरामद हुआ है। उसकी बॉडी फंदे से लटकी थी। मृतक की पहचान गुड्डू राजा के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मुजफ्फरपुर का रहने वाला था। गुड्डू PMCH के आई डिपार्टमेंट में लैब टेक्नीशियन कोर्स का छात्र था। उसने सत्र 2025-27 में नामांकन लिया था। घटना बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के गौरैया स्थान स्थित हीरा चंद्र झा के मकान की है, जहां वह किराए पर रहता था।

कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें लिखा है, "मेरा सफर अब यहीं तक था।" हालांकि, परिजनों ने छात्र की हत्या की आशंका जताई है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए PMCH भेज दिया है।

रुपयों के लेनदेन को लेकर

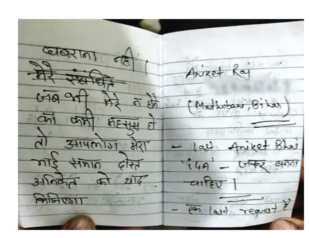

हत्या का आरोप: मृतक गुड्डू राजा के पिता नरेश राय, जो एक सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं, ने बेटे की हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने बताया कि गुड्डू 4 जून को घर से पटना लौटा था।

वह पांच बहनों के बीच इकलौता भाई था। 13 मई को उसकी बहन की शादी थी, जिसमें शामिल होने के लिए वह घर गया था। नरेश राय ने आरोप लगाया कि उन्हें बेटे की मौत की जानकारी घटना के करीब 24 घंटे बाद मकान मालिक ने दी। उनके अनुसार, गुड्डू का अपने दो दोस्तों अनिकेत और नीरज के साथ पैसों का लेनदेन था।

सड़क हादसा, दो युवकों की मौत, गोविंदपुर में अज्ञात गाड़ी ने मारी टक्कर

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के फुलवारी शरीफ में गोविंदपुर मुख्य मार्ग पर शनिवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान गोविंदपुर निवासी कुमार रवि (23) और सोनित कुमार (18) के रूप में हुई है। इस घटना से दोनों परिवारों में मातम छा गया है।

सब्जी खरीदकर घर लौटते समय हादसा: पुलिस के अनुसार, कुमार रवि और सोनित कुमार शनिवार शाम खगौल से सब्जी खरीदकर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। गोविंदपुर मुख्य मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए पटना एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। हालांकि, डॉक्टरों ने इलाज के दौरान दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। हादसे से ठीक

एक दिन पहले शुक्रवार शाम को कुमार रवि ने अपने परिवार के साथ जन्मदिन मनाया था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि रवि के पिता विपिन कुमार मिश्रा आईसीएआर में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत हैं। रवि अपने दो भाइयों में इकलौता बेटा था और उसकी शादी की बातचीत चल रही थी। नवंबर माह में विवाह की तैयारियां शुरू होने वाली थीं। वहीं, दूसरे मृतक सोनित कुमार ने हाल ही में इंटर की परीक्षा पास की थी। वह आगे की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटा हुआ था। सोनित मूल रूप से पश्चिम चंपारण का निवासी था और उसके पिता हरि लाल राम विपार्ड में चालक के पद पर कार्यरत हैं।

पटना नगर निगम ने 'वार्ड फाइंडर' फीचर को किया अपडेट

एक क्लिक पर वार्ड संख्या, अधिकारियों का नंबर डिस्प्ले, डिजिटल मैप में बनी बाउंड्री

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना नगर निगम ने अपने ऐप के 'वार्ड फाइंडर' फीचर को लेकर कई अपडेट किए हैं। जैसे ही लोग 'फाइंड योर वार्ड' के लिए अपने लोकेशन पर क्लिक करेंगे तो उनके वार्ड से जुड़े सभी अधिकारी के नंबर, नाम के साथ स्क्रीन पर डिस्प्ले कर दिए जाएंगे। यानी अब एक क्लिक पर लोग वार्ड पार्षद और अधिकारियों का नंबर प्राप्त कर सकेंगे। किसी भी समस्या का समाधान लोग घर बैठे ही कर सकेंगे।

व्हाट्सएप चैट बॉट सर्विस में पूछ सकते सवाल: इसमें वार्ड संख्या के साथ एग्जीक्यूटिव ऑफीसर, सिटी मैनेजर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर, CSI और SI का नंबर डिस्प्ले हो जाएगा। इसके साथ ही नीचे व्हाट्सएप चैट बॉट सर्विस का भी ऑप्शन दिया गया है। निगम के प्रॉपर्टी टैक्स या फिर किसी भी तरह के शिकायत को लेकर जैसे ही क्लिक करेंगे वह लिंक यूजर को सीधे

व्हाट्सएप में ले जाएगा और वहां वह अपनी समस्या रख सकते हैं या कोई भी सवाल पूछ सकते हैं।

डिजिटल मैप में हर वार्ड की अपनी एक बाउंड्री बनाई गई: इसके साथ ही नीचे पटना नगर निगम वार्ड मैप का भी फीचर दिया गया है। अपने वार्ड नंबर पर क्लिक करते ही लोग यह देख सकेंगे कि उनके वार्ड एरिया कितने क्षेत्र में फैला हुआ है। हर वार्ड की अपनी एक बाउंड्री बनाई गई है जिसे लाल रंग से दिखाया गया है। लोग अपने वार्ड को देखने के लिए जूमि इन, जूम आउट भी कर सकते हैं। इसके साथ ही अपने व्यू को रिसेट करके वह दूसरे वार्ड के भी बाउंड्री को देख सकते हैं। हालांकि, अभी इस मैप में पूरी तरह से जगह के बारे में जानकारी नहीं दी गई है, जिसे अभी और अपडेट होना बाकी है।

नालों से लेकर सड़कों का देख सकेंगे डिजिटल रिकॉर्ड: पटना नगर निगम सारा काम पूरा हो जाने पर इस ऐप को जल्द ही लॉन्च करेगा। नगर निगम की यह पहल "डिजिटल पटना" के विज़न को साकार करने की दिशा में एक कदम है। इस ऐप की मदद से लोग शहर की सड़कों, नालों, पाइपलाइन, पार्क, शौचालय, श्मशान घाट, पार्किंग और अन्य संपत्तियों का पूरा डिजिटल रिकॉर्ड देख सकेंगे। इसके साथ ही नागरिक किसी भी वार्ड में नजदीकी शौचालय, पार्किंग, निगम कार्यालय, श्मशान घाट, आदि की जानकारी प्राप्त कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

योजना से वंचित हैं पात्र आदिवासी वृद्ध दंपति

सचिव के लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे ग्रामीण, मामला मझौली जनपद के ग्राम पंचायत खंतरा का

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। एक तरफ जहां शासन प्रशासन के द्वारा सत प्रतिशत पात्र लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विशेष योजनाएं, आदेश निर्देश एवं शिविरों के माध्यम से अभियान चलाया जाता है लेकिन जब पात्र व्यक्ति योजना से वंचित रहते हैं तब तमाम अभियान एवं शिविरों की तो पोल खुलती है। सवाल यह उठता है जिस

कर्मचारी के लापरवाही से पात्र व्यक्ति योजना से वंचित है उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है। ताजा मामला जनपद पंचायत मझौली अंतर्गत ग्राम पंचायत खंतरा से ग्राम बघैला का प्रकाश में आया है। बघैला निवासी शिवकुमार सिंह गोंड़ पिता बृजनंदन सिंह गोंड़ एवं उसकी पत्नी कौशल्या सिंह गोंड़ दोनों 60 वर्ष की उम्र पार कर चुके हैं जो अनुसूचित जनजाति वर्ग से आते हैं।बावजूद इसके आज भी झुग्गी झोपड़ी में जीवन बिताने को मजबूर हैं। उन्हें ना तो आवास योजना का लाभ मिला और ना ही खाद्यान्न पात्रता श्रेणी का। शिवकुमार सिंह के मुताबिक कई बार कर्मचारी अधिकारी आकर फोटो खींचकर ले जाते हैं लेकिन उन्हें आज तक शासन के किसी योजना का लाभ नहीं मिला है।उनकी पत्नी 10 वर्षों से गठिया बात के कारण जकड़ी हुई है जो विकलांग हो चुकी है उसे छोड़कर कहीं जा भी नहीं सकते हैं और भरण पोषण व झोपड़ी मरम्मत कराना उनके लिए बड़ा मुश्किल हो रहा है।

बाईपुरा में सफाई के बाद खुले छोड़े नाले

वार्डवासी परेशान, हादसे का बढ़ा खतरा

लोकतंत्र की शान , मेड़ता रोड , एजाज अहमद उस्मानी। मेड़ता रोड के बाईपुरा क्षेत्र स्थित बाबा रामदेव मंदिर के पास वार्ड नंबर 22 में नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। क्षेत्र में जेसीबी मशीन द्वारा नाले की सफाई कार्य तो कर दिया गया, लेकिन उसके बाद नाले की सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे स्थानीय लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा

है। स्थानीय लोगों के अनुसार सफाई कार्य के दौरान जेसीबी मशीन से नाले पर रखी गई पट्टियां टूट गई थीं, जिससे नाला पूरी तरह खुला और असुरक्षित रह गया। हैरानी की बात यह है कि सफाईकर्मी कार्य पूरा करने के बाद मौके से चले गए, लेकिन टूटे हुए ढांचे की मरम्मत या उसे ढकने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। खुले पड़े गहरे नाले के कारण अब तक कई लोग और जानवर गिरकर घायल हो चुके हैं। इसके बावजूद नगर पालिका प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। वार्डवासियों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि गलियों से निकलना भी अब जोखिम भरा हो गया है, खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए स्थिति और भी चिंताजनक है। रात के समय अंधेरे में दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। वार्डवासियों ने सवाल उठाया है कि आखिर उनकी समस्या कौन सुनेगा और यदि कोई बड़ा हादसा होता है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से तत्काल प्रभाव से नाले की मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था बहाल करने की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।

जिओ मंगलम घायल पक्षियों की करता है सेवा

लोकतंत्र की शान , राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट , घायल व बीमार पक्षियों की निस्वार्थ सेवा में समर्पित संस्थान जीवोमंगलम में आज पूज्य गुरुणि दादी श्री जगदीश मति जी महाराज की पुण्य स्मृति में साध्वी श्री संतोष कुमारी जी महाराज के सानिध्य में विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न हुआ। जीवोमंगलम संस्थान वर्ष 2002 से असहाय, घायल और बीमार पक्षियों को निशुल्क चिकित्सा, देखभाल और पुनर्वास की सेवा प्रदान कर रहा है। गुरुणि दादी श्री जगदीश मति जी महाराज का जीवन करुणा, जीव दया और सेवा भाव का प्रतीक रहा है। उनकी शिक्षाओं और आदर्शों को स्मरण करते हुए संस्थान द्वारा यह भंडारा आयोजित किया गया।

भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं, जीव प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर साध्वी श्री संतोष कुमारी जी महाराज ने कहा कि गुरुणि दादी जी का जीवन हम सभी के लिए जीव सेवा और करुणा का मार्ग प्रशस्त करता है। संस्थान के कार्यकर्ताओं ने बताया कि उनके आशीर्वाद से यह सेवा निरंतर आगे बढ़ रही है। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने गुरुणि दादी श्री जगदीश मति जी महाराज के बताए मार्ग पर चलकर जीव मात्र की सेवा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में करनाल विधायक जगमोहन आनंद जी ,वार्ड 8 के पार्षद संकल्प भंडारी चेयरपर्सन मेघा भंडारी जी विशेष रूप से पधार कर महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रधान विमल जैन,मंत्री संदीप जैन,कैशियर देश राज अग्रवाल व मोती राम गर्ग,हेमन्त तायल,अंशुल जैन, प्रवीण जैन, लवनिश जैन, प्रत्यक्ष जैन व दीप्ती मित्तल,ममता जैन,उषा जैन,सरिता जैन आदि उपस्थित रहे।

अब चेतावनी बोर्ड रोकेंगे ब्लैक स्पॉट सुर्खी टैंक पर दुर्घटनाएं, यातायात पुलिस की एक और कवायत

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश, कटनी। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कटनी पुलिस ने थाना एनकेजे क्षेत्र अंतर्गत सुर्खी टैंक (सरसवाही मार्ग) स्थित चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर विशेष सुरक्षा उपाय शुरू किए हैं। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप सिंह द्वारा स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं कराई

गईं। यातायात पुलिस के अनुसार सुर्खी टैंक क्षेत्र में पूर्व में लगातार सड़क दुर्घटनाएं होती रही हैं, जिनमें कई लोगों की मौत तथा गंभीर चोटें होने की घटनाएं सामने आई थीं। इन हादसों को ध्यान में रखते हुए दुर्घटना संभावित क्षेत्र में चेतावनी एवं जन-जागरूकता संबंधी फ्लेक्स बोर्ड तथा सावधानी संकेतक लगाए गए हैं। स्थापित किए गए बोर्डों के माध्यम से वाहन चालकों को निर्धारित गति सीमा का पालन करने, ओवरटेकिंग से बचने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करने तथा सड़क पर सतर्कता बरतने के लिए जागरूक किया जा रहा है। पुलिस का मानना है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर अनेक दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। यातायात पुलिस ने स्थानीय नागरिकों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ अन्य लोगों के जीवन की रक्षा के लिए भी यातायात नियमों का पालन करें। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। यातायात पुलिस कटनी ने बताया कि जिले के अन्य चिन्हित ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों का भी सर्वेक्षण किया जाएगा और वहां आवश्यक सुधारात्मक एवं जागरूकता संबंधी कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। पुलिस का उद्देश्य जनसहयोग के माध्यम से सुरक्षित एवं दुर्घटना मुक्त यातायात व्यवस्था स्थापित करना है।

अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, बिना नंबर हाइवा जब्त

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विकास मिश्रा तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सिहावल क्षेत्र में खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने व्यापक जांच अभियान चलाकर एक बिना नंबर की हाइवा वाहन को अवैध रेत परिवहन करते हुए जब्त किया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिहावल राजेश शुक्ला एवं जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में संयुक्त दल ने ग्राम दुअरा एवं लौआ स्थित स्वीकृत पत्थर खदानों का निरीक्षण किया। प्राप्त शिकायतों के आधार पर की गई जांच के दौरान कुछ अनियमितताएं सामने आने पर एसडीएम ने संबंधित राजस्व अधिकारियों को खदान क्षेत्रों की पैमाइश कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जांच अभियान के दौरान ग्राम चमरौहा क्षेत्र में एक बिना नंबर की हाइवा वाहन रेत का परिवहन करते हुए पकड़ी गई। वाहन चालक महेश कुमार पटेल, निवासी घुरेहटा (मऊगंज), परिवहन संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद वाहन को नियमानुसार जब्त कर थाना अमिलिया की अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया। खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार वाहन चालक एवं स्वामी के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं बिना नंबर वाहन से खनिज परिवहन किए जाने के मामले में मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए जिला परिवहन अधिकारी को भी पत्र भेजा जा रहा है।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान यदि किसी खदान संचालक द्वारा नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन की टास्क फोर्स लगातार अवैध खनन गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने दोहराया कि जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे।

ज्ञान भारतम् मिशनः सीधी की प्राचीन ज्ञान धरोहर को सहेजने की पहल

कलेक्टर की अपील-घरों में सुरक्षित पाण्डुलिपियां को सामने लाएं, ज्ञान धरोहर बचाएं

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत रामपुर नैकिन विकासखंड के ऐतिहासिक ग्राम चंद्रेह में कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले की प्राचीन पाण्डुलिपियों के संरक्षण, पंजीयन एवं संग्रहण के साथ-साथ चंद्रेह स्थित प्राचीन शिव मंदिर एवं मठ के जीर्णोद्धार तथा पर्यटन विकास पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि खगोल विज्ञान, ज्योतिष, आयुर्वेद और भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी अनेक दुर्लभ पाण्डुलिपियां आज भी लोगों के घरों में सुरक्षित हैं, जिन्हें संरक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने आमजन से ऐसी धरोहरों की जानकारी साझा करने की अपील की। अभियान के दौरान जिले के विभिन्न गांवों से कई दुर्लभ ग्रंथ, पुराण, ज्योतिषीय अभिलेख एवं हस्तलिखित पाण्डुलिपियां चिन्हित की गईं। बैठक में पाण्डुलिपियों

के संरक्षण के लिए संग्रहालय स्थापना, ज्ञान मंडपम् निर्माण, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के आयोजन एवं धार्मिक-पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव भी सामने आए। बैठक में प्रशासन और समाज ने मिलकर सीधी की प्राचीन ज्ञान-संपदा एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का संकल्प लिया।

658 नशीली ट्रामाडोल गोलियां जप्त, संचालक गिरफ्तार

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चुरहट के मार्गदर्शन में थाना सेमरिया पुलिस ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक मेडिकल स्टोर से भारी मात्रा में प्रतिबंधित ट्रामाडोल युक्त गोलियां जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 6 जून 2026 को प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना सेमरिया पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम के साथ सेमरिया बाजार स्थित श्रीराम मेडिकल स्टोर पर विधिवत दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मेडिकल स्टोर संचालक राकेश गुप्ता पिता चिंतामणि गुप्ता उम्र 35 वर्ष निवासी कठार हाल सेमरिया के कब्जे से बिना वैध दस्तावेजों के रखी गई 658 नग ट्रामाडोल युक्त नशीली गोलियां बरामद की गईं। जप्त सामग्री में विभिन्न ब्रांड की ट्रामाडोल युक्त दवाएं शामिल हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 9,724 है। पूछताछ के दौरान आरोपी उक्त नशीली दवाओं के संबंध में कोई वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट एवं ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया है। मामले में नशीली दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला एवं अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में विस्तृत विवेचना जारी है। इस कार्रवाई में थाना सेमरिया पुलिस, स्वास्थ्य विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस द्वारा जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है तथा ऐसे मामलों में कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नामांतरण रद्द होने के बाद भी नहीं रुका विवाद, अवैध कब्जे की शिकायत?

» आरोप : सड़क पर 3 फीट का अवैध अतिक्रमण, नगर निगम में कई शिकायतें दर्ज

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

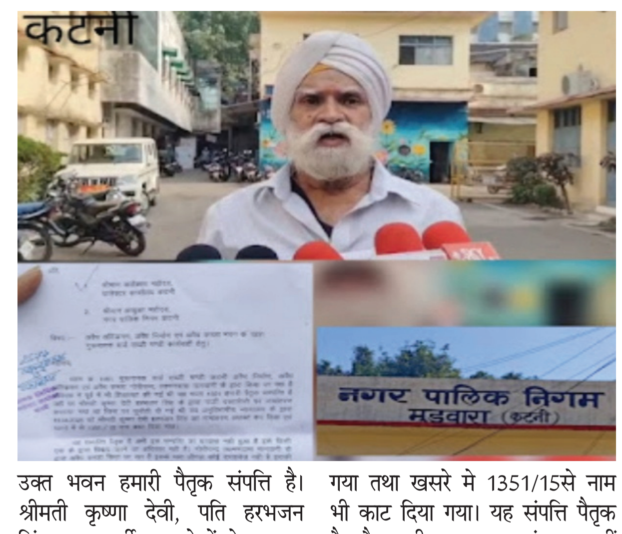

कटनी जिले में अतिक्रमण को लेकर अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं आज दिन देखने को मिल रही इसी तरह घटना गुरु नानक वार्ड स्थितअवैध निर्माण एवं अवैध कब्जा, कब्ज को लेकर भवन क्रमांक 1551, गुरुनानक वार्ड, सब्जी मंडी, कटनी पर कार्यवाही के लिए नगर पालिका निगम पहुंचे बुजुर्ग ने लिखित आवेदन कटनी कलेक्टर के नाम दिया है प्रार्थी कुलवीर सिंह वल्द तीर्थ सिंह आवेदन मे बताया गया है की भवन क्रमांक 1551, गुरुनानक वार्ड, सब्जी मंडी, कटनी में गोपीचन्द एवं लक्ष्मणदास नागवानी द्वारा अवैध निर्माण, अवैध अतिक्रमण एवं अवैध कब्जा किया जा रहा है। आवेदक द्वारा पूर्व में भी शिकायत की जा चुकी है। उक्त भवन हमारी पैतृक संपत्ति है। श्रीमती कृष्णा देवी, पति हरभजन सिंह द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नामांतरण कराया गया था। इसकी जानकारी होने पर मेरे द्वारा आपत्ति प्रस्तुत की गई थी। इसके बाद अनुविभागीय न्यायालय द्वारा दिनांक 15 अप्रैल 2025 को श्रीमती कृष्णा देवी, पति हरभजन सिंह का नामांतरण निरस्त कर दिया गया तथा खसरे मे 1351/15से नाम भी काट दिया गया। यह संपत्ति पैतृक है और अभी तक इसका बंटवारा नहीं हुआ है। इसलिए किसी एक व्यक्ति को इसे विक्रय करने का अधिकार नहीं है। गोपीचन्द एवं लक्ष्मणदास नागवानी द्वारा इस पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। इनके पास कोई वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं।

निकाह से तलाक तक का 5 घंटे का सफरः सामाजिक संवेदनशीलता और बदलते वैवाहिक मूल्यों पर सवाल

लोकतंत्र की शान/ लेखक एजाज अहमद उस्मानी

एजाज अहमद उस्मानी

फतेहपुर तहसील क्षेत्र में एक निकाह का महज कुछ घंटों में तलाक में बदल जाना केवल एक पारिवारिक विवाद नहीं है, बल्कि यह आज के समाज में विवाह संस्था के भीतर उभरती कई गहरी समस्याओं की ओर संकेत करता है। एक ओर परंपरा, रीति-रिवाज और धार्मिक रस्मों की औपचारिकता थी, तो दूसरी ओर दहेज, नशा, आपसी सम्मान की कमी और जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों ने इस रिश्ते को शुरुआत में ही समाप्त कर दिया। जानकारी के अनुसार, निकाह के दौरान ही मेहर और दहेज को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। लड़की पक्ष का आरोप है कि कुछ बाराती शराब के नशे में थे और दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल की मांग पर अड़े रहे। यदि यह तथ्य सही है, तो यह स्थिति केवल नैतिक गिरावट ही नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता के क्षरण का भी संकेत देती है। विवाह जैसे पवित्र अवसर पर नशे में व्यवहार और मांगों को लेकर टकराव किसी भी स्वस्थ परंपरा के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। दूसरी ओर, दुल्हन द्वारा ससुराल जाने से इनकार करना भी यह दर्शाता है कि आज की युवा पीढ़ी अब दबाव में रिश्तों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। यह बदलाव एक तरह से महिलाओं की बढ़ती आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता का संकेत है, लेकिन साथ ही यह भी दिखाता है कि संवाद और समझौते की जगह तात्कालिक भावनात्मक प्रतिक्रियाएं तेजी से हावी हो रही हैं। मामले में सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि निकाह के महज पांच घंटे के भीतर ही दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से तलाक की प्रक्रिया पूरी कर ली। विवाह जैसे गहरे सामाजिक और भावनात्मक बंधन का इतनी जल्दी टूट जाना यह सवाल खड़ा करता है कि क्या रिश्तों की नींव वास्तव में मजबूत थी, या फिर सामाजिक दबाव और औपचारिकताओं के कारण यह निर्णय लिया गया था। इसके बाद दोनों पक्षों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर जल्दबाजी में दूसरी शादियां कर लेना भी एक गंभीर सामाजिक प्रवृत्ति को उजागर करता है। रिश्तों को समय देने, समझने और सुधारने की बजाय तुरंत विकल्प खोज लेना आज के समय में बढ़ती 'इंस्टेंट रिलेशनशिप संस्कृति' की ओर संकेत करता है, जहां स्थायित्व की जगह तात्कालिक समाधान अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। यह पूरा घटनाक्रम केवल एक परिवार या दो व्यक्तियों तक सीमित नहीं है। यह दहेज प्रथा, विवाह में उपभोक्तावादी सोच, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और सामाजिक दबावों के बीच टूटते रिश्तों की व्यापक तस्वीर पेश करता है। जब विवाह को सम्मान, विश्वास और जिम्मेदारी की बजाय सौदेबाजी या प्रदर्शन का मंच बना दिया जाता है, तो परिणाम अक्सर इसी तरह के विवाद और टूटन के रूप में सामने आते हैं। समाज के लिए यह घटना एक चेतावनी भी है कि विवाह केवल रस्मों का समापन नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक जिम्मेदारी है। इसके लिए दोनों पक्षों में संवाद, परस्पर सम्मान और धैर्य की आवश्यकता होती है। दहेज जैसी कुप्रथा और नशे जैसी आदतें इस संस्था को भीतर से कमजोर करती हैं। जरूरत इस बात की है कि ऐसे मामलों से सबक लिया जाए और विवाह जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों को भावनाओं या सामाजिक दबाव के बजाय समझदारी, पारदर्शिता और आपसी सहमति के आधार पर आगे बढ़ाया जाए। तभी रिश्तों में स्थायित्व और सामाजिक संरचना में संतुलन संभव हो सकेगा।

मारपीट से घायल एनजीओ सदस्य की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। नशामुक्ति अभियान अंतर्गत हाई रिस्क उच्च जोखिम ग्रुप (एचआरजी) के रूप में एड्स नियंत्रण समिति से वित्त पोषित संस्था ग्राम सुधार समिति के सदस्य की बेरहमी से कार्यालय के बाहर पिटाई से गंभीर रूप से घायल होने पर जिला अस्पताल में आज सुबह मौत हो गई। घटना के बाद 25 मई 2026 को घायल सदस्य सोनू बंसल पिता सुखलाल बंसल द्वारा इसकी लिखित रिपोर्ट थाना कोतवाली सीधी एवं हरिजन थाना सीधी में की गई थी। लिखित रिपोर्ट पर कार्रवाई न होने पर उसके द्वारा लिखित रूप से फरियाद पुलिस अधीक्षक, कलेक्टर के यहां भी की गई थी। घायल ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि घटना दिनांक 25 मई 2026 को सुबह 11 बजे वह संस्था कार्यालय में गत दिनों की भांति बैठा था। उसी दौरान संस्था की पीएम मीरा गौतम एवं लेखापाल विपिन सिंह परिहार स्कूटी से पहुंचे। उसको देखकर जातिगत उद्बोधन के साथ कहा कि तुम्हे जब मना किए थे कि यहां न आओ तो सुबह से क्यों आ जाता है। तुमको देखकर हम लोगों का पूरा दिन खराब हो जाता है। यह कहकर विपिन सिंह ने पैंट से बेल्ट निकालकर मारना शुरू कर दिया। वहीं मीरा ने दोनों हाथ पकड़कर पीछे मोड़ लिया था। गाली-गलौच के साथ दोनो ने मिलकर काफी बेरहमी से मारा। मारपीट में घायल के कान से काफी ब्लीडिंग होने लगी। अस्पताल में भर्ती के बाद उपचार से भी उसकी हालत में सुधार होने की बजाय आज सुबह 5:45 बजे जिला अस्पताल सीधी में मौत हो गई।

सेमरिया में आधी रात एटीएम फूंककर आरोपी फरार

सीसीटीवी में कैद हुई आरोपी की तस्वीर, तलाश में जुटी पुलिस

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र में शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात एक सनसनीखेज आगजनी की घटना सामने आई। बाजार के बीच स्थित दो एटीएम में अज्ञात युवक द्वारा आग लगा दिए जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से एसबीआई और इंडिया वन के दोनों एटीएम बंद हो गए हैं, जिससे लोगों को नकदी निकासी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 1 बजे की है। सेमरिया बाजार स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल गेट के पास लगे एटीएम में एक युवक पहुंचा और आग लगा दी। आग की लपटों ने देखते ही देखते दोनों एटीएम को अपनी चपेट में ले लिया। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में एक युवक दिखाई दे रहा है। फुटेज में वह एटीएम के पास पहुंचकर आग लगाता नजर आ रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही भवन मालिकों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में लेकर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। क्षेत्रवासियों की नजर अब पुलिस कार्रवाई पर टिकी हुई है कि आखिर दो एटीएम को आग के हवाले करने वाला आरोपी कब तक कानून के शिकंजे में आता है।

अवैध खनन, मादक पदार्थ तस्करी, वांछित आरोपी गिरफ्तारी और डीजे पर कार्रवाई

नागौर पुलिस की बड़ी सख्ती

लोकतंत्र की शान

मेड़ता रोड , एजाज अहमद उस्मानी। नागौर पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के निर्देशन में अवैध खनन, अवैध परिवहन, वांछित अपराधियों की धरपकड़ तथा ध्वनि प्रदूषण के विरुद्ध नागौर पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अलग-अलग थानों द्वारा की गई इन कार्रवाइयों में कई वाहन जब्त किए गए हैं और एक वांछित आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

अवैध खनन व परिवहन पर कार्रवाई-थाना पांचौड़ी पुलिस ने गश्त के दौरान सरहद भोजास क्षेत्र में अवैध रूप से लाईमस्टोन (चूना पत्थर) से भरे एक ट्रक और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। इस संबंध में खनिज विभाग को सूचना दी गई है। इसी तरह थाना खांवला पुलिस ने कोडिया मोड़ सरहद आलनियास के पास अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक 06 चक्का डंपर को जब्त कर खनिज विभाग को अवगत कराया।

वांछित अपराधी गिरफ्तार, डोडा पोस्त बरामदगी का मामला-थाना पांचौड़ी पुलिस द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 3000 रुपये के ईनामी आरोपी खींयाराम को गिरफ्तार किया गया। यह वही मामला है जिसमें निमबड़ी गांव के भैरूंदा निमबड़ी तिराहे के पास एक दुर्घटनाग्रस्त काले रंग की टाटा हैरियर कार से 325 किलो 470 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त जब्त किया गया था। इस प्रकरण में थाना पादूकलां पर मामला दर्ज है और पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ध्वनि प्रदूषण पर भी सख्ती-थाना कोतवाली नागौर पुलिस ने बासनी चौराहा, कस्बा नागौर क्षेत्र में तेज आवाज में डीजे साउंड चलाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने पर कार्रवाई करते हुए डीजे साउंड सिस्टम लगी एक पिकअप गाड़ी को जब्त किया।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में भारतीय दूतावास के आह्वान पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का जश्न शुरू

वाशिंगटन। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर शनिवार को यहां के ड्यूपॉन्ट सर्कल क्षेत्र में योग सत्र का आयोजन किया। इस आयोजन को योग समारोह के जश्न की शुरुआत माना जा रहा है। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास के 'एक्स' हैंडल 'इंडिया इन यूएसएस' और फेसबुक पेज पर यह जानकारी चित्रों के साथ साझा की गई है। भारतीय दूतावास ने लोगों का आह्वान किया है, ''19 जून को लिंकन मेमोरियल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के जश्न में हमारे साथ जरूर शामिल हों।' इस वर्ष योग दिवस पर वाशिंगटन के अलावा न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर और शिकागो के नेवी पियर में भी 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही हैं। बताया गया है कि सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों के प्रमुख केंद्र ओरेगन के हिल्सबोरो में भी इस अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा। दक्षिण कैलिफोर्निया के इरविन स्थित श्रीनाथजी हवेली मंदिर में भी यह पर्व मनाया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2015 से प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाता है। शिकागो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी 'एक्स' पर कहा, ''योग केवल शारीरिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह संतुलन, सजगता और आंतरिक शांति की राह दिखाता है। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव में शामिल होकर स्वास्थ्य, एकता और बेहतर जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए तैयार हो जाइए।'' शिकागो में यह आयोजन नेवी पियर के पोल्क ब्रदर्स पार्क में होगा। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 11 दिसंबर 2014 को एक प्रस्ताव पारित कर 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। तब से हर वर्ष सारी दुनिया में इस दिवस को पर्व की तरह मनाया जाता है।

किसी का अहित न करना ही सबसे बड़ी निरोगता: डॉ. इन्द्रेश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. इन्द्रेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि किसी का अहित न करना ही सबसे बड़ी निरोगता है और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वस्थ विचारों का होना अनिवार्य है। डॉ. इन्द्रेश कुमार ने यह बात दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में शुक्रवार को स्वस्थ, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन के सूत्रों को समाहित करने वाली पुस्तक "निरोगता के सूत्र - गुरबाणी एवं श्रीमद्भगवद्गीता के आलोक में " के लोकार्पण के दौरान कही। पुस्तक के लेखक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कर्मठ स्वयंसेवक डॉ. शाम लाल कठपालिया के जीवन, व्यक्तित्व एवं चिंतन को स्मरण करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन भारतीय संस्कृति, सेवा, स्वास्थ्य, अध्यात्म और मानवीय मूल्यों का जीवंत उदाहरण रहा है। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. इन्द्रेश कुमार ने कहा, " अहित करने के लिए व्यक्ति को अपने भीतर ईर्ष्या, क्रोध और नकारात्मक भावों को स्थान देना पड़ता है, जो अंततः तन और मन दोनों को अस्वस्थ बनाते हैं।" उन्होंने डॉ. शाम लाल कठपालिया के साथ बिताए अपने अनेक संस्मरण

साझा किए तथा पुस्तक की विषयवस्तु को वर्तमान समय के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में दधीचि देह दान समिति के संस्थापक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने कहा कि "स्व" का वास्तविक अर्थ ईश्वर है और मनुष्य का लक्ष्य अपने भीतर स्थित उस दिव्यता को पहचानना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहाँ "स्व" है, वहीं वास्तविक स्वास्थ्य और निरोगता है। उन्होंने पुस्तक को भारतीय जीवन-दर्शन और स्वास्थ्य चेतना का महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया। आध्यात्मिक गुरु बाबा भूपिंदर सिंह पटियाला ने डॉ. शाम लाल कठपालिया के साथ अपने आत्मीय संबंधों को याद करते हुए कहा कि उनके पास ऐसा आध्यात्मिक और वैचारिक खजाना है, जिसे पूरे विश्व तक पहुँचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक मनुष्य अपने भीतर नहीं झाँकता, तब तक वास्तविक निरोगता प्राप्त नहीं कर सकता। डॉ. शाम लाल कठपालिया की पुत्री गीता कठपालिया आहूजा ने कहा कि आज की भाग-दौड़ और तनावपूर्ण जीवन में यह पुस्तक लोगों को अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों के अनुरूप जीवन जीने की प्रेरणा देगी। कार्यक्रम की सफलता में उनके समर्पण, समन्वय एवं अथक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसकी उपस्थित अतिथियों ने मुक्तकंठ से सराहना की।

राजौरी के डोरी माल जंगल क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान सेना के अधिकारी का निधन

राजौरी। राजौरी जिले की मंजाकोट तहसील के डोरी माल जंगल क्षेत्र में चल रहे तलाशी अभियान के दौरान भारतीय सेना के एक अधिकारी का निधन हो गया। मृत अधिकारी सेना की असम यूनिट से संबंधित बताए जा रहे हैं। घटना के बाद सेना और प्रशासनिक अधिकारियों में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार डोरी माल के जंगलों में पिछले कई दिनों से सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। सुरक्षा बल क्षेत्र में संभावित आतंकी गतिविधियों के मद्देनजर व्यापक स्तर पर तलाशी अभियान चला रहे हैं। सेना के कैप्टन बीरेश्वर गोस्वामी भी इस अभियान का हिस्सा थे और अपनी टीम के साथ क्षेत्र में तैनात थे। इसी अभियान के दौरान शनिवार को अचानक उनकी तबीयत किसी कारणवश बिगड़ गई। मौके पर मौजूद जवानों ने तत्काल उन्हें चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई और उपचार के लिए निकाला, लेकिन उनकी स्थिति गंभीर बनी रही। बाद में उन्हें सेना अस्पताल, राजौरी लाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। सैन्य सूत्रों के अनुसार औपचारिकताएं पूरी होने के बाद पार्थिव शरीर को आगे सैन्य सम्मान के साथ उनके गृह क्षेत्र भेजा जाएगा। कैप्टन बीरेश्वर गोस्वामी को एक समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में जाना जाता था। उनके निधन की खबर से सेना के अधिकारियों, जवानों तथा स्थानीय लोगों में शोक की लहर है। डोरी माल क्षेत्र में जारी सर्च ऑपरेशन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में संचालित किया जा रहा है। घने जंगल, दुर्गम इलाका और प्रतिकूल मौसम के बावजूद सुरक्षा बल लगातार अभियान जारी रखे हुए हैं। इस बीच क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है तथा तलाशी अभियान जारी है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से दूर रहने और केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील की है।

राष्ट्रपति ट्रंप के प्रमुख एआई सलाहकार श्रीराम कृष्णन ने दिया इस्तीफा

वॉशिंगटन। अमेरिका में व्हाइट हाउस के आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) सलाहकार श्रीराम कृष्णन ने अपने पद से हटने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह केवल आगामी जून तक ही इस पद पर अपनी सेवाएं दे सकेंगे। कृष्णन ने अपने 18 महीने के संक्षिप्त लेकिन बेहद प्रभावी कार्यकाल के दौरान अमेरिका का पूरा एआई एक्शन प्लान तैयार करने में केंद्रीय भूमिका निभाई। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित और जिम्मेदारी पूर्ण उपयोग के लिए एक मजबूत नेशनल फ्रेमवर्क विकसित करने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए श्रीराम कृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि एक छोटे से ब्रेक के बाद वह एक बार फिर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के सामने एआई की वजह से पैदा हुई चुनौतियों को कम करने के मिशन पर जुटेंगे। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य का जिक्र करते हुए कहा कि अभी एआई से जुड़े कई जटिल और गंभीर मुद्दे हमारे सामने हैं, जिनमें डेटा सेंटरों का तेजी से होता विस्तार और उससे होने वाली भारी ऊर्जा की खपत शामिल है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर सबको मिलकर काम करने की सख्त जरूरत है। चेन्नई में जन्मे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन ने अपनी प्रारंभिक उच्च शिक्षा चेन्नई के ही एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज से हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने ट्विटर, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट और स्नैप जैसी दुनिया की अग्रणी टेक कंपनियों में महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। वह लंबे समय तक नामचीन कैपिटल फर्म एंड्रीसन होरोविट्स के साथ भी जुड़े रहे।

सूरत में ईटीपी प्लांट की टंकी में उतरे 4 सफाई कर्मियों की मौत

एजेंसी, सूरत

गुजरात के सूरत शहर के खांड बाजार क्षेत्र में रविवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां की चौर्यासी डेयरी के पास स्थित रतिह ज्वेलर्स में अंडरग्राउंड ईटीपी(इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) की टंकी की सफाई करने उतरे चार श्रमिकों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर चारों श्रमिकों को बाहर निकाला। उन्हें तत्काल उपचार के लिए स्मीमेर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान निमेष विठ्ठलभाई सावलिया (26 वर्ष) सुपरवाइजर, विकास कुमार संतोषभाई सोनावणे (24 वर्ष), विजय भीखाभाई आहिरे (24 वर्ष),योगेश नानाभाई जादव के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि सबसे पहले योगेश टैंक की सफाई के लिए अंदर उतरा था। उसके फंसने पर उसे बचाने के लिए विकास और विजय नीचे गया, लेकिन वे भी जहरीली गैस की

चपेट में आ गए। इसके बाद सुपरवाइजर निमेष सावलिया ने फायर विभाग को सूचना दी और खुद भी बचाव के लिए टंकी में उतरे, जहां वे भी बेहोश हो गए। इस तरह चारों की मौत हो गई।

सुरक्षा उपकरण नहीं मिले : फायर अधिकारी: वराछा जोन-ए के डिविजनल फायर ऑफिसर रणजीतसिंह खड़िया ने बताया कि सुबह 10:22 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति पानी के गड्ढे में गिर गया है। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि रतिह ज्वेलर्स के ETP प्लांट में चार लोग फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी श्रमिक ने पीपीई किट या अन्य सुरक्षा उपकरण नहीं पहने थे। आसपास भी सुरक्षा उपकरण नहीं मिले। प्रथम दृष्टया यह गंभीर लापरवाही का मामला प्रतीत होता है, हालांकि वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

गैस से दम घुटने की आशंका: सूरत डीसीपी आलोक कुमार ने बताया कि ज्वेलरी प्रोसेसिंग के दौरान निकलने वाले अपशिष्ट को एकत्र करने के लिए यह टंकी बनाई गई थी, जिसकी नियमित सफाई हर दो महीने में की जाती है। सुबह सफाई के दौरान टंकी में मौजूद जहरीली गैस या ऑक्सीजन की कमी के कारण चारों श्रमिक बेहोश हो गए।

प्राथमिक तौर पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के अभाव की चर्चा है। पुलिस तथा संबंधित विभागों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों और जिम्मेदारों की पुष्टि हो सकेगी। डिप्टी फायर ऑफिसर प्रकाश इडावे ने बताया कि सूचना मिलने के बाद फायर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चारों को बाहर निकाला और 108 एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया। हालांकि अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मणिपुर में दो उग्रवादी एवं दो शराब तस्कर गिरफ्तार, हथियार बरामद

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस एवं सुरक्षा बल लगातार उग्रवादियों, मादक पदार्थ तस्करों के खिखाफ अभियान चला रहे हैं। इस दौरान आए दिन हथियारों की बरामदगी तथा गिरफ्तारी का सिलसिला जारी है।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा रविवार को दी गयी जानकारी के अनुसार, शनिवार को मणिपुर पुलिस ने इंफाल ईस्ट जिले के हिंगांग थानांतर्गत फिजाम लेइराक से दो लोगों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में शराब बरामद किया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान हिजाम ओंगबी टोम्बी (48) और हिजाम मंगल (24) के रूप में की गयी है। दोनों सेकमाई बाज़ार के रहने वाले हैं। उनके पास से एक सिल्वर रंग की चार-पहिया गाड़ी (एमएन-01एक्स-4717) और 117 लीटर डीआईसी शराब जब्त किया गया है। 05 जून को सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थानांतर्गत भारत-म्यांमार सीमा पर बॉर्डर पिलर 72 और बॉर्डर पिलर 73 (चोनजांग सीओबी से 12 किमी दक्षिण) के बीच के इलाके से हथियार एवं विस्फोटक बरामद किया। जिसमें मुख्य रूप से

एक देसी लाथोड गन, मैगज़ीन के साथ एक 9एमएम पिस्तौल, मैगज़ीन के साथ एक .22 यूएसए पिस्तौल, चार रेडियो सेट और चार आईईडी (बचे हुए हिस्से) शामिल हैं। इसी बीच 05 जून को सुरक्षा बलों ने थोउबल जिले के लिलोंग थानांतर्गत स्टोन क्रशर इलाके के पास वैथोउ सांगोमसांग से आरपीएफ/पीएलए के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान सनासम सनामातुम मैतेई उर्फ टोम्पोक उर्फ वनमैन (32), येंगकोकपम प्रेमचंद सिंह उर्फ चिंगसांगलाक्पा (26) के रूप में की गयी है। उनके पास एक दो-पहिया गाड़ी (एमएन-01एल-8210) जब्त की गई। कोटलेन में हाल ही में हुई हिंसा का असर आस-पास के इलाकों में न फैले, इसके लिए सुरक्षा बलों ने बीते शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 202 और 102ए के किनारे लिटन, महादेव और सिनाकेइथेल के आस-पास के इलाकों में अचानक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया।

केंद्र ने झारखंड के महिला किसान उत्पादक समूह के 1.5 मीट्रिक टन आम्रपाली आम यूके भेजे

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने झारखंड के सिमडेगा जिले में महिलाओं द्वारा संचालित किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) के आम्रपाली आमों की पहली वाणिज्यिक खेप यूनाइटेड किंगडम (यूके) भेजी है। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की पहल से 1.5 मीट्रिक टन आम्रपाली आम लंदन निर्यात किए गए हैं, जिससे महिला किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिली है। आमों की इस पहली खेप को 04 जून को कोलकाता से रवाना किया गया। खेप में शामिल आम सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित महिलाओं द्वारा संचालित बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से लिये गए।

मंत्रालय ने बताया कि एपीडा ने 05 मई को सिमडेगा जिले के किसान उत्पादक संगठनों, किसान उत्पादक कंपनियों और प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यात उन्मुख क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया

था। इसमें निर्यात मानकों, गुणवत्ता आवश्यकताओं और वैश्विक बाजार की संभावनाओं की जानकारी दी गई थी। इसके बाद एपीडा ने बेउरा एफपीसी और निर्यातक कंपनी के बीच संपर्क स्थापित कर निर्यात गुणवत्ता वाले आमों की खरीद सुनिश्चित कराई। इससे किसान उत्पादक कंपनी सीधे निर्यात मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनी है। इससे जुड़े किसानों को घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ है। मंत्रालय के अनुसार, यह कदम क्षेत्र में गुणवत्ता आधारित उत्पादन, बेहतर फसलोत्तर प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन को बढ़ावा देगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसे लोकल गोज ग्लोबल का सशक्त उदाहरण बताया।

दुनिया में सबसे सस्ती रसोई गैस पाने वाले देशों में भारत, उज्ज्वला लाभार्थियों को 642 रुपये में मिल रहा सिलेंडर: केंद्र

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय दुनिया में सबसे कम कीमत पर रसोई गैस प्राप्त करने वालों में शामिल हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों को 14.2 किलोग्राम का एलपीजी सिलेंडर प्रभावी रूप से 642 रुपये में मिल रहा है। दिल्ली में सामान्य उपभोक्ता 942 रुपये में सिलेंडर खरीद रहे हैं, जबकि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में एक सिलेंडर की आपूर्ति लागत 1,600 रुपये से अधिक हो चुकी है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उज्ज्वला लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) सहायता पहले चार रिफिल पर दी जाती है। इस प्रकार उन्हें सालाना 1,200 रुपये की सहायता मिलती है। गैर-उज्ज्वला उपभोक्ता भी बाजार आधारित लागत की तुलना में लगभग 700 रुपये कम कीमत पर सिलेंडर प्राप्त कर रहे हैं।

मंत्रालय ने बताया कि भारत में उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए प्रभावी एलपीजी कीमत 642 रुपये है, जबकि पाकिस्तान में समान मात्रा का सिलेंडर 1,046 रुपये, नेपाल में 1,207 रुपये, बांग्लादेश में लगभग 1,225 रुपये और श्रीलंका में 1,241 रुपये का है। वहीं, अमेरिका में इसकी कीमत लगभग 1,755 रुपये, ऑस्ट्रेलिया में 1,765 रुपये और कनाडा में 2,411 रुपये के बराबर है। मंत्रालय के अनुसार, भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है और इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तय होने वाले सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सीपी) से प्रभावित होती है। फरवरी में एलपीजी का सऊदी सीपी 542.50 डॉलर प्रति टन था, जो जून 2026 तक बढ़कर 790 डॉलर प्रति टन पहुंच गया। इस अवधि में इसमें लगभग 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के बावजूद भारत ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखा। देश में किसी भी पेट्रोलियम उत्पाद की कमी नहीं हुई और एलपीजी की बॉटलिंग तथा वितरण सामान्य रूप से जारी रहा।

घरेलू एलपीजी की बढ़ती लागत का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां और केंद्र सरकार लागत तथा खुदरा मूल्य के बीच अंतर को वहन कर रही हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक घरेलू एलपीजी पर संचयी अंडर-रिकवरी लगभग 60,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 41,338 करोड़ रुपये थी। इस मद में केंद्र सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति को मंजूरी दी है। मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत अब तक 10.58 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

एलपीजी कीमतों में बढ़ोतरी पर खरगे का केंद्र पर हमला बोले- बढ़ती महंगाई ने बिगाड़ा आम जनता का बजट

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों ने आम लोगों, खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक परेशानियों को बढ़ा दिया है। महंगाई के कारण घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है और आम उपभोक्ताओं की रसोई का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है।

रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दावे का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद में पश्चिम एशिया में संघर्ष जैसी परिस्थितियों के बावजूद 41 देशों से ईंधन आपूर्ति के विविधीकरण की बात कही थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि यदि सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति के इतने व्यापक विकल्प विकसित कर लिए हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी एलपीजी की उपलब्धता और उपभोग

को लेकर समस्याएं क्यों बनी हुई हैं। खरगे ने दावा किया कि पिछले चार महीनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 89 रुपये की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में लगातार इजाफा परिवारों के मासिक खर्च को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है और इसका सबसे अधिक असर निम्न एवं मध्यम आय वर्ग पर पड़ रहा है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उल्लेख करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में योजना के 5.56 करोड़ लाभार्थी परिवारों ने केवल एक या उससे कम बार गैस सिलेंडर रिफिल कराया। उन्होंने दावा किया कि इनमें से लगभग 3.30 करोड़ परिवार ऐसे हैं जिन्होंने एक भी सिलेंडर रिफिल नहीं कराया। उनके अनुसार यह स्थिति दर्शाती है कि बढ़ती कीमतों के कारण बड़ी संख्या में गरीब परिवार एलपीजी का नियमित उपयोग करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से जवाब मांगते हुए कहा कि क्या यह स्थिति गैस की लगातार बढ़ती कीमतों और मौजूदा नीतियों का परिणाम नहीं है। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में असफल रही है और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर राजनीतिक हमला करते हुए कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान भाजपा और नरेन्द्र मोदी महंगाई के मुद्दे को लेकर लगातार सरकार की आलोचना करते थे। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में लगभग 530 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। खरगे ने मांग की कि केंद्र सरकार एलपीजी की कीमतों में राहत देने के लिए प्रभावी कदम उठाए और गरीब परिवारों को सस्ती रसोई गैस उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस पहल करे।

हरिद्वार : सुल्तानपुर मस्जिद की अवैध ऊंची मीनारों को हटाने का काम शुरू

एजेंसी, हरिद्वार

उत्तराखंड की सरकार राज्य में अवैध निर्माण को लेकर लगातार सख्ती बरत रही है। तीर्थनगरी हरिद्वार जिले के सुल्तानपुर नगर पंचायत क्षेत्र में निर्माणाधीन मस्जिद की अनधिकृत व अवैध रूप से बनी ऊंची मीनारों को हटाने का काम शुरू हो गया है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2020 में पुरानी जामा मस्जिद की जगह नई और बड़ी मस्जिद के निर्माण का कार्य शुरू किया गया था। वर्ष 2025 में मस्जिद की मीनार की ऊंचाई को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें निर्धारित सीमा से अधिक ऊंचाई होने का दावा किया गया था। मामले ने तूल पकड़ा तो मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जांच के निर्देश दिए थे। जांच में मस्जिद और ऊंची मीनारों को मानकों के अनुरूप नहीं

पाया गया और न ही इसके निर्माण के लिए जिला प्रशासन अथवा प्राधिकरण से कोई अनुमति ली गई थी। तब डीएम हरिद्वार ने इसके निर्माण पर रोक लगाते हुए नोटिस जारी किया था, जिसके बाद उक्त मस्जिद के निर्माण कार्य को रोक दिया गया था।

जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर की इस मस्जिद के निर्माण से पूर्व इसका नक्शा पास नहीं करवाया गया और फायर सेफ्टी व लोकनिर्माण सहित अन्य किसी विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया गया। बावजूद इसके मस्जिद में 250 फिट ऊंची मीनारें खड़ी कर दी गई।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने अभाविप के प्रस्ताव को दी मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों की सुविधाओं में विस्तार के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। पंजाब विश्वविद्यालय में लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वहां ओलंपिक मानक वाले सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के निर्माण को मंजूरी दे दी है। आगामी दो से तीन महीनों में इस परियोजना पर जमीनी काम शुरू होने की उम्मीद है। यह निर्णय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद आया है। शनिवार देर शाम अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने खेल मंत्री से मुलाकात की और देश में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक व्यापक ज्ञापन सौंपा। अभाविप ने वर्ष 2036 में भारत की संभावित

ओलंपिक मेजबानी की तैयारियों से लेकर ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने के लिए कई सुझाव दिए, जिन पर खेल मंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाया। इनमें ओलंपिक की तैयारियों के लिए अभी से एक मजबूत राष्ट्रीय ढांचा विकसित करने की मांग, प्रत्येक राज्य में खेल विश्वविद्यालयों की स्थापना और हर जिले में खेल उत्कृष्टता केंद्र व मल्टी-स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स का निर्माण, देश के दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों से खेल प्रतिभाओं को ढूंढने के लिए विशेष अभियान, एथलीटों के लिए स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा सुनिश्चित करना, एक 'राष्ट्रीय डिजिटल एथलीट पोर्टल' का निर्माण और 'माई भारत' वालंटियर्स के मानदेय में वृद्धि करना शामिल है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत पटना पहुंचे, मुंगेर में संघ शिक्षा वर्ग के दौरान स्वयंसेवकों का करेंगे मार्गदर्शन

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन राव भागवत शनिवार दोपहर अपने तीन दिवसीय बिहार प्रवास पर पटना पहुंचे। पटना हवाई अड्डे पर उनका स्वागत प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित संघ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने किया। पटना पहुंचने के बाद डॉ. भागवत शाम को मुंगेर के लिए रवाना होंगे, जहां वे 7 जून से 9 जून तक आयोजित विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान उनका प्रमुख कार्यक्रम मुंगेर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, पुरानीगंज परिसर में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में शामिल होना है। संघ के इस प्रशिक्षण वर्ग में बिहार सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए करीब 700

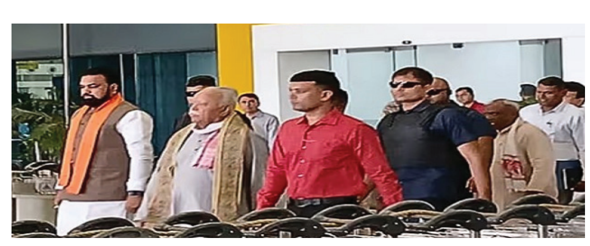

स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।

संघ शिक्षा वर्ग को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माना जाता है। इस वर्ग में स्वयंसेवकों को संगठन की कार्यपद्धति, अनुशासन, सामाजिक दायित्वों और राष्ट्र जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। डॉ. भागवत अपने प्रवास के दौरान स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन करेंगे और उनसे संवाद भी करेंगे। संघ प्रमुख अपने संबोधन में स्वयंसेवकों को संघ की विचारधारा, संगठन के आगामी कार्यक्रमों और शताब्दी वर्ष के आयोजनों के संबंध में जानकारी देंगे। साथ ही वे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में स्वयंसेवकों की भूमिका, सामाजिक समरसता, सेवा कार्यों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने जैसे विषयों पर भी विचार साझा करेंगे।

संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर देशभर में विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसी क्रम में स्वयंसेवकों को अधिक सक्रिय भूमिका निभाने, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संवाद बढ़ाने तथा सेवा गतिविधियों को विस्तार देने पर भी जोर दिया जाएगा। अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान डॉ. भागवत संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ भी बैठक कर सकते हैं, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों, विस्तार योजनाओं और आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा किए जाने की संभावना है। हालांकि आधिकारिक तौर पर बैठक के विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी साझा नहीं की गई है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष के अवसर पर देशभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इन आयोजनों के माध्यम से संघ अपनी विचारधारा, सेवा गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यों को समाज के व्यापक वर्गों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। बिहार दौरे को भी इसी व्यापक अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

फूड सेफ्टी एंड स्टैण्डर्ड्स (पैकेजिंग) रेगुलेशन 2018 (सुरक्षा मानक खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम,2006) - अखबार में भोजन या खाद्य सामग्री परोसी तो कार्रवाई होगी -एफएसएसएआई की चेतावनी का समग्र व्यापक विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» अखबार में भोजन या खाद्य सामग्री परोसने का खतराः एफएसएसएआई की चेतावनी, सार्वजनिक स्वास्थ्य की चुनौती और सुरक्षित खाद्य संस्कृति की आवश्यकता

» खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग) नियम, 2018 के अंतर्गत अखबारों अथवा अन्य अनधिकृत सामग्रियों का उपयोग भोजन रखने,लपेटने या परोसने के लिए नहीं किया जा सकता -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर खाद्य सुरक्षा आज केवल एक स्वास्थ्य संबंधी विषय नहीं रह गई है,बल्कि यह मानव जीवन, आर्थिक विकास,सामाजिक स्थिरता और सतत विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुकी है। जिस प्रकार स्वच्छ जल, स्वच्छ वायु और सुरक्षित आवास मनुष्य के जीवन के लिए आवश्यक हैं, उसी प्रकार सुरक्षित भोजन भी स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। यदि भोजन ही दूषित हो जाए तो वह पोषण का स्रोत बनने के बजाय बीमारी का कारण बन जाता है। हाल ही में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा जारी की गई चेतावनी ने खाद्य सुरक्षा के एक ऐसे पहलू को उजागर किया है जिसे आमतौर पर लोग सामान्य और हानिरहित मान लेते हैं। एफएसएसएआई ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अखबार में भोजन पैक करना या परोसना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया सिटी सहित भारत के हर शहर में यह देखते आ रहा हूं क्रि दशकों से भारत के अनेक हिस्सों में समोसा,पकौड़े, वड़ा- पाव, जलेबी, पराठा और अन्य खाद्य पदार्थों को अखबार में लपेटकर देने की परंपरा रही है। कई लोगों को यह सामान्य और सुविधाजनक लग सकता है, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से यह एक गंभीर स्वास्थ्य जोखिम है। एफएसएसएआई की चेतावनी केवल एकप्रशासनिक निर्देश नहीं बल्कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।यह सलाह उस समय जारी की गई जब मुंबई में एक वड़ा-पाव विक्रेता द्वारा भोजन को अखबार में पैक और परोसने का मामला सामने आया। घटना के बाद एफएसएसएआई के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय और ग्रेटर मुंबई नगर निगम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए खाद्य विक्रेताओं को निर्देश जारी किए। यह घटना केवल मुंबई तक सीमित नहीं है। भारत के लगभग सभी राज्यों में छोटी- बड़ी खाद्य दुकानों पर आज भी अखबारों का उपयोग भोजन लपेटने के लिए किया जाता है। कई बार ग्राहक भी इसे सामान्य मानकर स्वीकार कर लेते हैं, जबकि इसके पीछे छिपे स्वास्थ्य जोखिमों से अनजान रहते हैं।यही कारण है कि हर वर्ष विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाकर सरकारों, नियामक संस्थाओं, उद्योगों और नागरिकों को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार दूषित भोजन के कारण दुनिया भर में करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं और लाखों लोगों की मृत्यु तक हो जाती है।बैक्टीरिया, वायरस,परजीवी,रसायन और भारी धातुएं खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करके गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न कर सकती हैं। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जहां सड़क किनारे खाद्य विक्रेताओं से लेकर बड़े रेस्तरां और खाद्य उद्योग तक करोड़ों लोगों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराते हैं। साथियों, वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो अखबारों में उपयोग की जाने वाली मुद्रण स्याही भोजन के संपर्क में आने के लिए नहीं बनाई जाती। समाचार पत्रों को छापने में विभिन्न प्रकार के रसायनों, पिगमेंट, सॉल्वेंट, बाइंडर और भारी धातुओं का उपयोग किया जाता है। इनमें सीसा (लेड), कैडमियम और अन्य रासायनिक तत्व शामिल हो सकते हैं। जब गर्म, तेलीय या नमी युक्त खाद्य पदार्थ सीधे अखबार के संपर्क में आते हैं, तो इन रसायनों के भोजन में स्थानांतरित होने की संभावना बढ़ जाती है। यही कारण है कि खाद्य वैज्ञानिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से अखबार में भोजन परोसने का विरोध करते रहे हैं।सीसा जैसे भारी धातु मानव शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक माने जाते हैं। इनके लंबे समय तक सेवन से तंत्रिका तंत्र, मस्तिष्क, यकृत, गुर्दे और रक्त निर्माण प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। बच्चों में सीसा विषाक्तता का प्रभाव और भी गंभीर होता है क्योंकि इससे उनकी मानसिक एवं शारीरिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है।गर्भवती महिलाओं में भी ऐसे रसायनों का प्रभाव भ्रूण के विकास पर पड़ सकता है। इसलिए खाद्य सुरक्षा केवल तत्काल बीमारी से बचाव का विषय नहीं है बल्कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य संरक्षण का भी

मुद्दा है। साथियों, अखबार से जुड़ा दूसरा बड़ा खतरा स्वच्छता का है। अखबार छपाई के बाद विभिन्न स्थानों से होकर गुजरते हैं। उन्हें गोदामों में रखा जाता है, परिवहन के दौरान अनेक लोगों द्वारा छुआ जाता है और वितरण के दौरान विभिन्न प्रकार की धूल, गंदगी तथा रोगाणुओं के संपर्क में आते हैं। कई बार अखबार जमीन पर रखे जाते हैं या अस्वच्छ वातावरण में संग्रहित होते हैं। ऐसे में उन पर बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीव मौजूद हो सकते हैं। यदि इन्हीं अखबारों में भोजन लपेटा जाता है तो रोगाणु भोजन तक पहुंच सकते हैं और उपभोक्ताओं को बीमार कर सकते हैं। साथियों, विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि खाद्य जनित रोग विश्व स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हैं।साल्मोनेला, ई- कोलाई, लिस्टेरिया और नोरोवायरस जैसे रोगजनक सूक्ष्मजीव दूषित भोजन के माध्यम से फैल सकते हैं। इनके कारण दस्त, उल्टी, पेट दर्द, बुखार और गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती होने तक की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है। इसलिए भोजन की तैयारी, भंडारण, परिवहन और परोसने की प्रत्येक प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों का पालन आवश्यक है।एफएसएसएआई ने अपनी चेतावनी में यह भी स्पष्ट किया है कि खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग) नियम, 2018 के अंतर्गत अखबार या अन्य गैर- अनुमोदित सामग्री में भोजन रखने,लपेटने या परोसने की अनुमति नहीं है। यह नियम केवल औपचारिकता नहीं बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान और स्वास्थ्य सुरक्षा के सिद्धांतों पर आधारित है। पैकेजिंग सामग्री को खाद्य-ग्रेड होना चाहिए ताकि वह भोजन के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया न करे और उसमें कोई हानिकारक तत्व न छोड़े। यही कारण है कि विकसित देशों में खाद्य पैकेजिंग के लिए अत्यंत कठोर मानक लागू किए जाते हैं। साथियों, भारत में खाद्य व्यवसायों का दायरा अत्यंत व्यापक है। इसमें सड़क किनारे के विक्रेता, छोटे रेस्तरां, होटल, कैटरिंग सेवाएं, क्लाउड किचन, क्विक सर्विस रेस्तरां, हॉकर और मोबाइल फूड वेंडर शामिल हैं। एफएसएसएआई की सलाह इन सभी पर समान रूप से लागू होती है। यह संदेश स्पष्ट है कि चाहे व्यवसाय छोटा हो या बड़ा, उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना उसकी जिम्मेदारी है। आर्थिक सुविधा या पारंपरिक आदतों के नाम पर स्वास्थ्य से समझौता नहीं किया जा सकता।खाद्य सुरक्षा का विषय केवल नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है उपभोक्ताओं की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि ग्राहक स्वयं अखबार में पैक भोजन लेने से इंकार करें और सुरक्षित पैकेजिंग की मांग करें, तो बाजार में सकारात्मक परिवर्तन तेजी से आ सकता है। उपभोक्ता जागरूकता अक्सर कानूनों से अधिक प्रभावी साबित होती है क्योंकि बाजार अंततः उपभोक्ता की मांग के अनुसार स्वयं को ढालता है।बता दें,आज विश्व भर में टिकाऊ और सुरक्षित पैकेजिंगसमाधानों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या को देखते हुए जैव-अवक्रमणीय पर्यावरण-अनुकूल और खाद्य- ग्रेड पैकेजिंग सामग्री विकसित की जा रही है। भारत भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। बायो-बेस्ड पैकेजिंग, खाद्य- ग्रेड पेपर,बांस आधारित सामग्री और अन्य नवीन विकल्प खाद्य उद्योग में लोकप्रिय हो रहे हैं। इनका उद्देश्य केवल पर्यावरण संरक्षण ही नहीं बल्कि उपभोक्ताओं की स्वास्थ्य सुरक्षा भी है। साथियों, हाल के वर्षों में खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत का दृष्टिकोण अधिक सख्त और वैज्ञानिक हुआ है।एफएसएसएआई नियमित रूप से निरीक्षण, परीक्षण और जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर रहा है। मई महीने में एक वायरल वीडियो के बाद ट्रेन संख्या 12223 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-एर्नाकुलम दुरंतो एक्सप्रेस में बर्तनों की अस्वच्छ हैंडलिंग के आरोपों पर आईआरसीटीसी को कानूनी नोटिस जारी किया जाना इसी दिशा में उठाया गया कदम था। यह दर्शाता है कि नियामक संस्थाएं अब खाद्य सुरक्षा संबंधी शिकायतों को गंभीरता से ले रही हैं और जवाबदेही सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही हैं।रेलवे, हवाई अड्डों, स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक आयोजनों में भोजन की सुरक्षा विशेष महत्व रखती है क्योंकि यहां बड़ी संख्या में लोगों को भोजन परोसा जाता है। यदि किसी एक स्थान पर स्वच्छता मानकों की अनदेखी होती है तो उसका प्रभाव हजारों लोगों पर पड़ सकता है। इसलिए खाद्य सुरक्षा का सिद्धांत फार्म टू फोर्क अर्थात खेत से थाली तक प्रत्येक चरण में लागू होना चाहिए। साथियों, वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में भी सुरक्षित और पौष्टिक भोजन को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। खाद्य सुरक्षा का संबंध केवल बीमारी रोकने से नहीं बल्कि गरीबी उन्मूलन, बेहतर स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण जीवन और आर्थिक उत्पादकता से भी है। बीमारियों के कारण स्वास्थ्य व्यय बढ़ता है, कार्य क्षमता घटती है और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इसलिए सुरक्षित भोजन में निवेश वास्तव में मानव पूंजी में निवेश है।भारत जैसे देश में जहां स्ट्रीट फूड संस्कृति अत्यंत लोकप्रिय है, वहां संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। स्ट्रीट फूड भारतीय खानपान की पहचान है और लाखों लोगों की आजीविका का स्रोत भी है। उद्देश्य इसे समाप्त करना नहीं बल्कि इसे अधिक सुरक्षित और स्वच्छ बनाना है। प्रशिक्षण, जागरूकता, सस्ती खाद्य-ग्रेड पैकेजिंग की उपलब्धता और नियमित निगरानी के माध्यम से इस क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि एफएसएसएआई की अखबार में भोजन न परोसने संबंधी चेतावनी हमें एक महत्वपूर्ण संदेश देती है कि खाद्य सुरक्षा छोटे-छोटे व्यवहारों से शुरू होती है। जो चीजें वर्षों से सामान्य लगती रही हों, वे वैज्ञानिक परीक्षणों में असुरक्षित सिद्ध हो सकती हैं। इसलिए परंपरा से अधिक महत्व विज्ञान और स्वास्थ्य को दिया जाना चाहिए। सुरक्षित भोजन प्रत्येक नागरिक का अधिकार और प्रत्येक खाद्य व्यवसाय की जिम्मेदारी है। यदि सरकार, उद्योग, विक्रेता और उपभोक्ता मिलकर खाद्य सुरक्षा के सिद्धांतों का पालन करें, तो न केवल बीमारियों को रोका जा सकता है बल्कि एक स्वस्थ, उत्पादक और सुरक्षित समाज का निर्माण भी किया जा सकता है। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस का वास्तविक उद्देश्य भी यही है कि भोजन केवल पेट भरने का माध्यम न रहे, बल्कि स्वास्थ्य, सुरक्षा और मानव गरिमा का आधार बने।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

अन्नामलाई की नई पार्टी इधु नम्मा इयक्कम के राजनीतिक मायने

लेखक - सौरभ वार्ष्णेय

भाजपा प्रदेश पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देकर एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत की है यानी अपनी नई पार्टी का शुरुआज कर दी है जिसका नाम उन्होंने इधु नम्मा इयक्कम रखा है जिसका शाब्दिक अर्थ है यह हमारा आंदोलन है या यह हमारा जन-आंदोलन है । तमिलनाडु की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। तमिलनाडु इस समय बडे ऊहापोह की स्थिति से गुजर रहा है। भाजपा के प्रदेश पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देकर एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत की है, जिसे विभिन्न रिपोर्टों में वी द लीडर्स तथा तमिल पहचान आधारित नए जनआंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। अन्नामलाई ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि यह आंदोलन आगे चलकर एक पूर्ण राजनीतिक दल का रूप ले सकता है और भविष्य के विधानसभा चुनावों में भागीदारी करेगा। अन्नामलाई पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु में भाजपा का सबसे चर्चित चेहरा बनकर उभरे थे। पूर्व आईपीएस अधिकारी होने के कारण उनकी छवि एक ईमानदार, आक्रामक और जमीनी नेता की रही है। भाजपा छोड़कर अलग राजनीतिक राह चुनना केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में एक नए विकल्प की तलाश का संकेत माना जा रहा है। उनका दावा है कि तमिलनाडु को वंशवाद, व्यक्तिपूजा और पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण से बाहर निकालने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से उन्होंने नए आंदोलन की शुरुआत की है। के अन्नामलाई के इस्तीफे के बाद तमिलनाडु भाजपा में कई नेताओं के त्यागपत्र सामने आए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके पास व्यक्तिगत समर्थन का एक मजबूत आधार मौजूद है। यदि यह समर्थन संगठित राजनीतिक शक्ति में बदलता है, तो भाजपा को राज्य में अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं।हालांकि भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत संगठन है, फिर भी तमिलनाडु जैसे राज्य में करिश्माई क्षेत्रीय नेतृत्व का अलग महत्व होता है। अन्नामलाई का बाहर जाना पार्टी के लिए राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक दोनों दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। तमिलनाडु की राजनीति लंबे समय से द्रविड़ मुनेत्र कड़ग़म औरऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़ग़म के इर्द-गिर्द घूमती रही है। हाल के वर्षों में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजग़म ने भी नई राजनीतिक संभावनाओं को जन्म दिया है। ऐसे में अन्नामलाई का नया मंच राज्य में तीसरे या चौथे विकल्प के रूप में उभरने की कोशिश करेगा। लेकिन केवल लोकप्रियता से राजनीतिक सफलता नहीं मिलती। मजबूत संगठन, वित्तीय संसाधन, स्थानीय नेतृत्व और स्पष्ट वैचारिक दिशा किसी भी नई पार्टी की सफलता के लिए आवश्यक हैं। अन्नामलाई को इन सभी मोर्चों पर स्वयं को साबित करना होगा। के अन्नामलाई के सामने सबसे बड़ा अवसर युवाओं, पेशेवरों और पारंपरिक राजनीति से निराश मतदाताओं को जोडऩे का है। यदि वे अपने आंदोलन को केवल व्यक्तित्व-आधारित मंच न बनाकर वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति में बदल पाते हैं, तो तमिलनाडु की राजनीति में नया समीकरण बन सकता है।दूसरी ओर चुनौती यह है कि तमिलनाडु में क्षेत्रीय दलों की जड़ें बेहद मजबूत हैं। नए राजनीतिक दलों को अक्सर शुरुआती उत्साह तो मिलता है, लेकिन उसे वोटों और सीटों में बदलना कठिन साबित होता है। के अन्नामलाई का नया आंदोलन केवल एक नेता के दल-बदल की घटना नहीं है, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में नए प्रयोग का प्रयास है। यदि यह आंदोलन जनता की आकांक्षाओं, सुशासन और क्षेत्रीय स्वाभिमान को प्रभावी ढंग से जोड़ पाता है, तो आने वाले वर्षों में राज्य की राजनीति का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकता है। फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह पहल सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनेगी या नहीं, लेकिन इतना निश्चित है कि अन्नामलाई ने तमिलनाडु की राजनीति में नई बहस और नई संभावनाओं का द्वार खोल दिया है। के अन्नामलाई ने पिछले कुछ वर्षों में तमिल राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। एक पूर्व आईपीएस अधिकारी के रूप में राजनीति में आने के बाद उन्होंने खुद को पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया।

आज शान्ति और संयम से काम लेने की जरुरत

लेखक - संजय गोस्वामी

श्री राम की मर्यादा उनके कर्म ही आपको मानवता का संदेश देती है भगवान राम राजा बनने वाले थे और 14 साल का वनवास मिल गया आज थोड़ा सा दुःख हुआ नहीं की सिस्टम और सरकार का दोष, यह लोकतान्त्रिक देश 140 करोड़ लोगों का भारत है जब ठीक नहीं लग रहा बाद में चुनाव में हरा देना बहुत ज्यादा बुराई लिखने कॉकरोच पार्टी बनाने से दूसरे देश में ऐ खबर मज़ाक बन जाती है इसलिए कठिन परिस्थिति में संयम और शान्ति से काम लें राम ने भगवान शिव का त्रिपुरासुर धनुष उठाया था। यहाँ तक कि देवताओं, राक्षसों और नागों की पूरी सभा भी उसे नहीं उठा पाई थी। राम ने विष्णु का शारंग धनुष भी उठाया और तीनों लोकों (ब्रह्मांड) को हिला दिया। उन्होंने धुंधुभी नाम के एक राक्षस के शव को, जो कैलाश पर्वत से भी ऊँचा था, बस एक झटके में 10 योजन दूर फेंक दिया। राम ने एक ही बाण से पृथ्वी की सात परतों को भेद दिया। एक ही साधारण बाण से पूरे समुद्र को सुखा दिया। राम ने रावण पर अचूक ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, जिसका वज़न मेरु और मंदार पर्वतों जितना था। राम कितने शक्तिशाली हैं? वे समस्त शक्ति के स्रोत हैं! वे नारायण का ही एक रूप हैं! उनकी शक्तियों की कोई सीमा नहीं है। [वाल्मीकि रामायण 5-51-45] में कहा गया है कि जिसे श्री राम मारने का निश्चय कर लें, उसे ब्रह्मा और शिव भी नहीं बचा सकते। चाहे चार मुख वाले स्वयंभू देवता ब्रह्मा हों, या तीन आँखों वाले रुद्र (जिन्होंने त्रिपुरा—माया द्वारा राक्षसों के लिए आकाश, वायु और पृथ्वी में सोने, चाँदी और लोहे से बनाए गए नगर—को जलाया था), या फिर वातावरण और आकाश के देवता तथा देवताओं के स्वामी महेंद्र हों; इनमें से कोई भी उस व्यक्ति को नहीं बचा सकता, जिसे राम युद्ध में मारने का निश्चय कर लें। वाल्मीकि रामायण 1–1–17 में कहा गया है कि वे स्वयं ही सत्य हैं और ऐसा कोई नहीं है जो उनकी बराबरी कर सके। शौर्य में राम विष्णु के समान हैं, और अपनी सुंदरता में वे चंद्रमा की तरह आकर्षक हैं; क्षमाशीलता में वे पृथ्वी के तुल्य हैं, लेकिन अपने क्रोध में वे प्रलयकारी अग्नि के समान हैं... और उदारता में वे धन के देवता कुबेर के समान हैं, तथा अपनी सत्यनिष्ठा में वे साक्षात् धर्म के समान हैं—सत्य का ही मूर्त रूप—जिनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है। वाल्मीकि रामायण के अरण्य कांड में कहा गया है कि यदि समस्त देवता और तीनों लोकों की समस्त सेनाएँ भी एक साथ आ जाएँ, तो भी वे श्री राम की शक्ति के सामने कुछ भी नहीं हैं। हे वैदेही! तुम्हारे पति को सर्प, असुर, गंधर्व, देवता, पिशाच या राक्षस—कोई भी पराजित नहीं कर सकता; इसमें तनिक भी संदेह नहीं है। हे शुभलक्षणा! देवताओं, मनुष्यों, गंधर्वों, पक्षियों, राक्षसों, किन्नरों, पशुओं, अथवा हे देवी, यहाँ तक कि अत्यंत भयानक राक्षसों में भी ऐसा कोई योद्धा नहीं है जो युद्ध में राम का सामना कर सके; क्योंकि किसी भी युद्ध में राम की शक्ति इंद्र के तुल्य होती है। इस प्रकार की बातें करना तुम्हारे लिए अनुचित है, क्योंकि युद्ध में राम को पराजित करना असंभव है; और जहाँ तक मेरी बात है, मैं राघव (राम) की अनुपस्थिति में तुम्हें इस घने वन में अकेला छोड़ने का साहस कदापि नहीं कर सकता। चाहे समस्त शक्तिशाली सम्राट अपनी संपूर्ण सेनाओं के साथ आ जाएँ, अथवा समस्त देवता अपने प्रमुखों के साथ एकत्रित हो जाएँ—अरे, उनकी तो बात ही क्या—यदि तीनों लोक भी एक साथ मिलकर, चाहे सामूहिक रूप से या अलग-अलग, विद्रोह करते हुए आ जाएँ, तो भी राम के पराक्रम को कोई रोक नहीं सकता। वाल्मीकि रामायण (1–1–65) में कहा गया है कि उन्होंने राक्षस दुंदुभि के मृत शरीर को अपने पैर के अंगूठे से मात्र स्पर्श करके ही दस योजन दूर तक उछाल दिया था! (एक योजन लगभग 13 किलोमीटर के बराबर होता है, अतः दस योजन का अर्थ हुआ 1300 किलोमीटर!) विशाल भुजाओं वाले और अत्यंत शक्तिशाली राम ने जब दुंदुभि की अस्थियों को देखा, तो वे मुस्कुराए और अपने पैर के अंगूठे की सहायता से उस संपूर्ण शरीर को दस योजन की दूरी तक फेंक दिया। वाल्मीकि रामायण (1–1–67) में वर्णित है कि श्री राम ने अपने एक ही बाण से सात वृक्षों को भेद दिया था; वह बाण एक पर्वत को चीरता हुआ पृथ्वी के सबसे निचले तल (पाताल लोक) तक जा पहुँचा था! फिर एक बार, राम ने केवल एक ही विशाल बाण से सात विशाल साल के पेड़ों को भेद दिया; यह बाण न केवल उन पेड़ों के आर-पार निकल गया, बल्कि एक पर्वत को भी चीरता हुआ पृथ्वी के सबसे निचले पाताल लोक तक जा पहुँचा—यह सब सुग्रीव के मन में विश्वास जगाने के लिए किया गया था... वाल्मीकि रामायण के युद्ध कांड में कहा गया है कि श्री राम अपनी उंगली के सिर्फ़ एक पोर से ही सभी राक्षसों और दुष्ट शक्तियों का संहार कर सकते हैं! इससे क्या फ़र्क पड़ता है कि वह राक्षस कितना दुष्ट है या नहीं? वह मेरा ज़रा सा भी अहित करने में सर्वथा असमर्थ है। हे सुग्रीव, वानर सेना के स्वामी! यदि मैं चाहूँ, तो पृथ्वी पर विचरण करने वाले उन सभी आसुरी जीवों, राक्षसों, अलौकिक प्राणियों और नरभक्षी पिशाचों का संहार अपनी उंगली के सिर्फ़ एक पोर से ही कर सकता हूँ। एक कथा में यह प्रसंग आता है कि कैसे एक कबूतर ने अपने शत्रु (एक बहेलिए) को—जब वह शरण माँगने उसके पास आया—अतिथि-सत्कार के समस्त नियमों का पालन करते हुए स्वीकार किया, और यहाँ तक कि उसे अपने ही शरीर का मांस परोसकर भोजन के लिए आमंत्रित किया। सच तो यह है कि श्री राम की इच्छा के बिना, इस सृष्टि में ऐसा कोई भी नहीं है जो उनके समक्ष खड़ा होने का भी साहस कर सके। श्री राम ही सब कुछ हैं। वे इस संपूर्ण ब्रह्मांड के कण-कण में व्याप्त हैं, और यह संपूर्ण ब्रह्मांड उन्हीं में समाया हुआ है। वे ब्रह्मा के रूप में सृष्टि की रचना करते हैं; शिव के रूप में उसका संहार करते हैं; और अपने आदि-स्वरूप नारायण के रूप में वे समस्त सृष्टि का पालन-पोषण करते हैं। केवल एक ही ऐसी चीज़ है जिसे स्वयं श्री राम भी कभी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते—और वह है, किसी सच्चे भक्त की अनन्य भक्ति। जो कोई भी भक्त श्री सीता-राम की भक्ति में पूरी तरह से लीन हो जाता है, उसे साकेत धाम में परम मोक्ष प्रदान करने के लिए श्री राम सदैव तत्पर और वचनबद्ध रहते हैं।सनातन धर्म में, भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। उनके चरणों (चरण कमल) को बहुत पवित्र और भक्तों के दुखों का नाश करने वाला माना जाता है। हिंदू धर्म में गोस्वामी तुलसीदास महाराज कहते हैं भजमन राम चरण सुखदाई क्योंकि उनके चरण स्पर्श मात्र से अहिल्या पत्थर से पुनः जीवित हो गई जो इस संसार में भगवान राम के अलावा और क़ोई नहीं कर सकता है.संसार में करने की प्रधानता है और परमात्मा में श्रद्धा, भक्ति, मानने की बात है ।

प्रदेश की महिलाओं के विश्वास का आधार बनी डॉ. मोहन यादव सरकार

लेखक- आलोक एम इंदौरिया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जिस तरह प्रदेश की महिलाओं के समग्र उत्थान लिए काम कर रहे हैं, उसके चलते राजनीतिक विथिकाओं में अब ऐसा माना जाने लगा है कि डॉ. मोहन यादव और बहनों के बीच स्वस्थ आत्मीय रिश्ते प्रगाढ़ होते जा रहे हैं। भाई-बहन के ये रिश्ते भारतीय जनता पार्टी के लिए न केवल बेहद मुफीद होंगे बल्कि 2028 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की तकदीर लिखने में महत्वपूर्ण रोल अदा करेंगे। डॉ. मोहन यादव अपने समग्र महिला उत्थान और स्वावलंबन के इन तमाम भागीरथी प्रयासों से वे प्रदेश की बहनों के बीच न केवल खासे लोकप्रिय हो गए हैं, बल्कि वे अब देश की बहनों के लाड़ले भैया के रूप में माने जाने लगे हैं। मध्यप्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की कमान संभाली और बेहद समझदारी के साथ परिपक्व राजनेता तब्दील हो चुके हैं। डॉ. मोहन यादव इस बात को बखूबी जानते थे कि यदि प्रदेश में सरकार चलानी है और दोबारा सत्ता में लानी है तो प्रदेश की लगभग कुल आबादी का 49 प्रतिशत महिला आबादी को न केवल खुद से जोड़ना होगा बल्कि उन्हें अपना बनाना होगा। इसके लिए इस मातृशक्ति के बीच उन्हें अपने आप को एक ऐसे भाई के रूप में स्थापित करना होगा जैसी कृष्ण ने द्रोपदी के लिए एक सशक्त और समर्थ भाई की भूमिका निभाई थी। डॉ. मोहन यादव ने सत्ता संभालने के बाद मातृशक्ति के लिए लगातार किए जा रहे अपने कामों से यह साबित कर दिया कि मातृशक्ति के बीच वे न केवल विश्वसनीय बन गए बल्कि प्रदेश की बहनें उन्हं एक मुख्यमंत्री के साथ-साथ एक सहृदय बड़े भाई के रूप में उन्हें स्वीकार करती हैं। डॉ. मोहन यादव सरकार ने महिला कल्याण योजनाओं को केवल सहायता वितरण तक सीमित न रख के उन्हें सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक स्वावलंबन और बालिका सशक्तिकरण के व्यापक अभियान के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है। इसके सकारात्मक परिणाम शहरों से लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक दिखाई देने लगे हैं। मध्यप्रदेश की कुल आबादी का लगभग 49 प्रतिशत महिलाएं हैं जो 4.1 करोड़ से 4.2 करोड़ के आसपास आंकी जाती है। प्रदेश में कल 5.39 करोड़ वोटर हैं। जिनमें महिला वोटर 2.5 करोड़ से 2.6 करोड़ के बीच अनुमानित हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में लगभग 76 प्रतिशत महिलाओं ने भाजपा को वोट किया था जो 2018 से चुनाव से लगभग दो प्रतिशत अधिक था।अब सहज ही समझा जा सकता है कि प्रदेश में सत्ता प्राप्त करने के लिए इनका महत्व क्या है? 2026 में असम मे हेमंत विश्व सरमा और पश्चिम बंगाल में शुभेंदु सरकार की बंपर सफलता का उदाहरण सारे देश के सामने हैं। इस बंपर जीत में मातृशक्ति का भाजपा को जीतने में जो योगदान है वह किसी से छिपा नहीं है। मध्यप्रदेश में लगभग 29 विधानसभा ऐसी हैं, जहां महिला वोटर की संख्या पुरुष वोटरों से अधिक है और आधा सैकड़ा से अधिक सीटों पर वे निर्णायक भूमिका भी रखती है। एक बेहद परिपक्व और दूरदर्शी मुख्यमंत्री बन चुके मोहन यादव इस राजनीतिक मर्म को समझते थे और शुरुआती दौर से ही समग्र महिला विकास पर उन्होंने अपनी सरकार को फोकस किया। इस बार डॉ. मोहन यादव ने अपना जन्मदिन मातृशक्ति के बीच मना कर एक ऐसी अमिट छाप छोड़ी जिसकी अनुगूंज सारे प्रदेश में सुनाई दे रही है। लाड़ली बहना के अतिरिक्त डॉ. मोहन यादव सरकार के द्वारा प्रारंभ की गई महिला हितैषी योजनाएं प्रदेश में... महिला प्रथम... महिलाओं का वास्तविक आधार बन चुका है और हम इसे केवल एक वित्तीय सहायता मानकर ही इसके स्वरूप का आंकलन नहीं कर सकते बल्कि यह सरकार और डॉ. मोहन यादव के बीच इन बहनों के उस भरोसे की एक ऐसी नजीर बन गई है, जिसके चलते ये बहनें आज मोहन यादव को लाड़ले भैया कहकर संबोधित कर रहीं है। अकेली लाड़ली बहना ही इस मातृशक्ति के लिए काफी नहीं है बल्कि लखपति दीदी योजना, मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना, नारी शक्ति मिशन जैसी तमाम कार्यक्रमों को एक कड़ी में पिरोकर डॉ. मोहन यादव ने महिला सशक्तिकरण का एक विशाल पैकेज मध्य प्रदेश में खड़ा कर डाला है। लाड़ली लक्ष्मी ने जहां बेटियों के शिक्षा का भविष्य सुरक्षित किया है ,वहीं लखपति दीदी, उद्यम शक्ति ,ड्रोन दीदी समेत स्वावलंबन की कई योजनाओं के माध्यम से शहर से लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक की महिलाओं ने अपने छोटे-मोटे व्यवसाय शुरू करके अपनी आत्मनिर्भरता और सम्मान दोनों को स्थापित तो किया ही साथ ही परिवार और समाज में अपनी अहम जगह बनाई है। प्रदेश में 4 लाख से अधिक महिलाएँ स्व-रोजगार योजना से जुड़ी हैं, वहीं रेडीमेड उद्योग एवं कारखानों में कार्यरत महिलाओं को पांच हजार रूपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही 34 लाख महिला कृषकों को दुग्ध उत्पादन से जोडक़र उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से मोहन सरकार के कार्यकाल में 53 लाख बेटियों के जीवन में न केवल सकरात्मक बदलाव आया है। बल्कि प्रदेश की 80 लाख बेटियों को शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति भी दी जा रही है और सेनेटरी पेड के लिए राशि भी प्रदान की जा रही है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है और एनआरएलएम योजनाओं से 17 हजार करोड़ से अधिक की राशि का प्रावधान मोहन सरकार ने केवल इसलिए किया है, जिससे ग्रामीण गरीब महिलाओं को स्व-सहायता समूह से जोडक़र उनकी आय में वृद्धि की जा सके। डॉ. मोहन यादव की महिला हित में प्रतिबद्धता केवल इस बात से समझी जा सकती है कि राज्य के कुल बजट का एक बड़ा हिस्सा यानी लगभग 1.27 लाख करोड़ केवल महिला केन्द्रित योजनाओं के लिए मोहन सरकार ने आवंटित किया है। बताया जाता है कि अकेले महिला कल्याण और संरक्षण पर ही 45 हजार करोड़ से ज्यादा की व्यवस्था की गई है।

भारत ने छठी बार जीता खिताब, फाइनल में बांग्लादेश को हराया

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी जीती। सात वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भारत ने एक बार फिर दक्षिण एशिया की चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भारत की ओर से प्यारी जाक्सा (42वां मिनट), सैनफिदा नोंगरुम (46वां मिनट) और लिंडा कोम सेर्टो (82वां मिनट) ने गोल किए। वहीं, बांग्लादेश के लिए एकमात्र गोल रितु पोरना चकमा ने दागा।

पहले हाफ में बराबरी पर पहुंचा बांग्लादेश

मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए। कई मौकों के बाद 42वें मिनट में प्यारी ज़ाक्सा ने शानदार गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, पहले हाफ के अतिरिक्त समय में बांग्लादेश की रितु पोरना चकमा ने बेहतरीन गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह पूरे टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ हुआ पहला गोल था।

दूसरे हाफ में भारत का दबदबा

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही भारत ने फिर बढ़त हासिल कर ली। 46वें मिनट में प्यारी जाक्सा के शानदार क्रॉस पर सैनफिदा नोंगरुम ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। 82वें मिनट में बांग्लादेश की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए स्थानापन्न खिलाड़ी लिंडा कोम सेर्टो ने तीसरा गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी।

पूरे टूर्नामेंट में रहा भारत का दबदबा

भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मालदीव पर 11-0 की बड़ी जीत से की थी, जबकि ग्रुप चरण में बांग्लादेश को भी 3-0 से हराया था। भारत ने टूर्नामेंट में कुल 18 गोल किए और केवल एक गोल खाया, जो उसके शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है।भारत ने सैफ महिला चैंपियनशिप का पिछला खिताब 2019 में जीता था। इसके बाद 2022 और 2024 में बांग्लादेश ने ट्रॉफी अपने नाम की थी। इस बार भारतीय टीम ने दमदार वापसी करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया।

अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा सर्वोच्च स्कोर

2023 के बाद भारत ने घरेलू टेस्ट मैच में बनाए 550+ रन

मुल्लांपुर। भारतीय टीम ने कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल के शतकों की मदद से अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट की पहली पारी में विशाल स्कोर खड़ा किया। भारत ने मुल्लांपुर में खेले जा रहे इस मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। भारत के लिए इस मैच में कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक जड़े। वहीं, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर ने अर्धशतकीय पारी खेली।

अफगानिस्तान की पारी लड़खड़ाई 5 विकेट 113 रन

अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम पूरी तरह हावी हो गई है। उसने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। अफगानिस्तान ने 5 विकेट पर 113 रन बना लिए हैं। रहमत शाह और अफसर जजई क्रीज पर हैं।प्रसिद्ध कृष्णा ने हश्मतुल्लाह शाहिदी (20) और सेदीकुल्लाह अटल (17) को आउट किया। वहीं, मानव सुथार ने रहमानुल्लाह गुरबाज (12) को स्लिप में साई सुदर्शन के हाथों कैच कराया। इससे पहले उन्होंने अपने डेब्यू मैच के पहले ही ओवर में अब्दुल मलिक को कैच आउट कराया।

घरेलू पिच पर किया दमदार प्रदर्शन

अफगानिस्तान के खिलाफ यह टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा नहीं है, लेकिन आने वाले दिनों में भारत को मजबूत टीमों का सामना करना है। यही कारण है कि भारत के लिए यह मैच काफी अहम है। भारत पिछले कुछ समय से घरेलू मैदान पर भी टेस्ट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहा था। लेकिन इस मैच में बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने 2023 के बाद पहली बार टेस्ट में घरेलू मैदान पर 550 रनों का आंकड़ा पार किया। इससे पहले टीम ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए मैच में 571 रन बनाए थे।

अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी

इससे पहले, शुभमन गिल और ऋषभ पंत की जोड़ी ने टेस्ट के दूसरे दिन 169 रनों की साझेदारी निभाते हुए इतिहास रच दिया। पंत और गिल द्वारा की गई ये साझेदारी अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की ओर से की गई किसी भी विकेट के लिए हुई सबसे बड़ी साझेदारी है। टेस्ट के दूसरे दिन गिल और पंत ने मिलकर 48 रन और जोड़े। भारतीय कप्तान 177 गेंदों का सामना करने के बाद 126 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में गिल ने 15 चौके और एक छक्का लगाया। टेस्ट के पहले दिन भी भारतीय बल्लेबाजों का जलवा रहा। टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की ओर से यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने मिलकर पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। यशस्वी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 24 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद राहुल को साई सुदर्शन के रूप में बढ़िया जोड़ीदार मिला। राहुल-सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 184 गेंदों में 139 रनों की अहम साझेदारी निभाई। सुदर्शन ने 104 गेंदों का सामना करते हुए 81 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सुदर्शन ने 13 चौके लगाए। वहीं, राहुल ने अपने टेस्ट करियर का 11वां शतक लगाया और 165 गेंदों में 100 रन बनाए। भारतीय बल्लेबाजी क्रम के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए।

सलीम सैफी ने किया प्रभावित- अफगानिस्तान के लिए इस मैच में सबसे सफल गेंदबाज मोहम्मद सलीम सैफी रहे। सलीम ने इस मैच में 140 रन लुटाकर छह विकेट लिए। वह टेस्ट में फाइव विकेट हॉल पूरे करने वाले अफगानिस्तान के तीसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले जियाउर रहमान और निजात मसूद ऐसा कर चुके हैं।

विश्व कप से पहले अर्जेंटीना टीम की मुश्किलें बढ़ी, मैत्री मैच में नहीं खेल सके चोटिल मेसी

नई दिल्ली। विश्व कप फुटबॉल शुरू होने में जब केवल तीन दिन का समय बचा है तब स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी की फिटनेस अर्जेंटीना के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण होंडुरास के खिलाफ अर्जेंटीना के मैत्री मैच में नहीं खेले जिससे यह सुनिश्चित नहीं है कि वह विश्व कप में अपनी टीम के पहले मैच तक पूरी तरह फिट हो पाएंगे या नहीं।

तीन सप्ताह में 39 वर्ष के होने वाले मेसी ने मैच से पहले अपने साथियों के साथ अभ्यास किया, लेकिन अर्जेंटीना की 2-0 से जीत के दौरान वह बेंच पर ही बैठे रहे। टीम ने कहा है कि मेसी कब तक फिट हो पाएंगे यह उनकी शारीरिक और कार्यात्मक प्रगति पर निर्भर करेगा। अर्जेंटीना विश्व कप से पहले अपना अंतिम अभ्यास मैच मंगलवार को ऑबर्न, अलबामा में आइसलैंड के खिलाफ खेलेगा।अर्जेंटीना 16 जून को एरोहेड स्टेडियम में अल्जीरिया के खिलाफ विश्व कप खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शुरुआत करेगा। माना जा रहा है कि मेसी विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे।

भविष्य के प्लान पर भी रखी राय

10-20 वर्षों तक दबदबा बनाए रखना चाहते हैं वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली, एजेंसी।आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन का इनाम वैभव सूर्यवंशी को मिल गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज को आयरलैंड-इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। वैभव का कहना है कि वह सिर्फ खेलना नहीं चाहते हैं, बल्कि अगले 10 से 20 वर्षों तक अपने खेल से दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। राजस्थान रॉयल्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वैभव का एक इंटरव्यू शेयर किया गया है। इस इंटरव्यू में बात करते हुए वैभव ने बताया कि वह ऐसा क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जिसे देखकर लोग बाद में यह कहें कि एक बल्लेबाज अकेले दम पर मैच जीता देता था।

वैभव ने कहा, मैंने सोचा है कि मैं 20 साल या जब तक भी क्रिकेट खेलूं और किसी भी टीम की तरफ से खेलूं, तो ऐसा खेलूं कि लोग मैच देखें या फिर बाद में सोचें तो यह कहें कि एक खिलाड़ी अकेले मैच खत्म कर देता था। वो दबदबा दिखना चाहिए, जिसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। ऐसा नहीं खेलना है कि खेला और बस मैच खत्म हो गया। ऐसा खेलना है कि अगले 10 से 20 वर्ष तक दबदबा बनाए रखना है और अच्छा क्रिकेट खेलना है। मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, क्योंकि मुझे आनंद आता था और मैं इस खेल को खेलते हुए पूरी जिंदगी आनंद लेना चाहता हूं।

चयनकर्ताओं को किया प्रभावित

वैभव के पास अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने का सुनहरा मौका होगा। टीम इंडिया के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी माना कि वैभव ने अपने प्रदर्शन के बूते चयन समिति को उन्हें टीम में शामिल करने पर मजबूर किया। आईपीएल 2026 वैभव के लिए गजब का रहा। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव ने 16 पारियों में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप को अपने नाम किया। वैभव ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 72 छक्के लगाए।

रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

वैभव टीम इंडिया में जगह बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं और अगर उन्होंने इन दौरों पर प्लेइंग-11 में जगह मिलती है तो वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। वैभव इस मामले में सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।

टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का रहा है दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। यह विश्व कप का 10वां संस्करण होगा। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का पूरी तरह से दबदबा रहा है। वहीं, भारतीय टीम अब तक कभी इस प्रारूप में विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है। भारत ने पिछले साल अपनी सरजमीं पर वनडे विश्व कप जीतकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता था। अब उसकी नजरें फटाफट क्रिकेट में भी अपना दम दिखाने पर होंगी।

महिला टी20 विश्व कप को सर्वाधिक बार जीतने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रही है। कंगारू टीम ने कुल छह बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार साल 2010 में विश्व कप के खिताब पर कब्जा जमाया था। इसके बाद 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में भी टीम क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट की चैंपियन बनी।

इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड एक-एक बार बनी हैं चैंपियन

महिला टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को इंग्लैंड ने एक बार अपने नाम किया है। इंग्लैंड टूर्नामेंट के पहले संस्करण में चैंपियन बनी थी। इंग्लिश टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। इंग्लैंड ने 167 रनों के लक्ष्य को छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया था। इंग्लैंड 2012, 2014 और 2018 में फाइनल तक भी पहुंची, लेकिन टीम को खिताबी मुकाबले में तीनों ही बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज ने भी महिला टी20 वर्ल्ड कप को एक बार अपने नाम किया है। साल 2016 में कैरेबियाई टीम ने ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में आठ विकेट से हराते हुए खिताब पर कब्जा जमाया था। वेस्टइंडीज ने पिछले दो विश्व कप को जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का फाइनल मुकाबले में हैट्रिक लगाने का सपना तोड़ा था। साल 2024 में खेले गए महिला टी20 विश्व कप को न्यूजीलैंड ने जीता था। फाइनल मुकाबले में कीवी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 32 रनों से हराया था।

होर्मुज बंद होने से अमेरिका को सबसे ज्यादा फायदा, दिग्गज का चौंकाने वाला दावा, बड़ी चेतावनी दे दी

नई दिल्ली, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से अमेरिकी एनर्जी कंपनियों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। रोसनेफ्ट के चीफ एग्जीक्यूटिव इगोर सेचिन ने शनिवार को यह दावा किया। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि इस अहम शिपिंग रूट में लंबे समय तक रुकावट से ग्लोबल ऑयल की मांग कम हो सकती है। इससे वैकल्पिक एनर्जी सोर्स में दिलचस्पी बढ़ने के आसार हैं। रॉयटर्स के अनुसार, सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में सेचिन ने कहा कि इस अहम समुद्री रास्ते के बंद होने से एनर्जी मार्केट में ऐसे बदलाव आए हैं जिनसे अमेरिका को फायदा हुआ है। होर्मुज के रास्ते बड़ी मात्रा में कच्चे तेल की सप्लाई होती है। सेचिन ने कहा, 'जाहिर है, इसका सबसे ज्यादा फायदा अमेरिकी कंपनियों को हुआ, जिन्हें बिना किसी कॉम्पिटिशन के फायदे मिले और महंगी सप्लाई हासिल करने की क्षमता मिली।' उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने को 'अमेरिका को फायदा पहुंचाने के लिए ग्लोबल एनर्जी मार्केट के नियमों को बदलने की कोशिश' बताया। कहा कि ईरान को निशाना बनाने के लिए उठाए गए कदमों का पूरी दुनिया पर उल्टा असर पड़ा। इससे जुड़े रणनीतिक जोखिमों को कम करके आंका गया। सेचिन ने चेतावनी दी कि होर्मुज स्ट्रेट के आसपास लगातार अस्थिरता से ग्लोबल एनर्जी सेक्टर पर बड़े असर पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट में लंबे

समय तक तनाव रहने से तेल की लॉन्ग-टर्म मांग कम हो सकती है। इससे वैकल्पिक एनर्जी में दिलचस्पी भी बढ़ सकती है।' रॉयटर्स के अनुसार, ये प्रतिक्रियाएं तब आई हैं जब फरवरी में अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने इस स्ट्रेट को ब्लॉक कर दिया था, जबकि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी कर दी थी। स्ट्रेट खुला हो कीमतें कम होने के आसार सेचिन ने कहा कि अगर निकट भविष्य में होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुलता है तो ऑयल की कीमतें धीरे-धीरे कम हो सकती हैं। इस साल के अंत तक कच्चे तेल की कीमतें 95-96 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहेंगी। एक साल के भीतर गिरकर 80-85 डॉलर प्रति बैरल हो जाएंगी। 2027 की दूसरी छमाही तक मार्केट के सामान्य हालात पर लौट आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि चीन इस संकट के लिए ज्यादातर देशों की तुलना में बेहतर ढंग से तैयार दिख रहा है। इसकी वजह उसकी अच्छी तरह से योजनाबद्ध सरकारी नीति है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि समुद्र के दूसरे अहम रास्तों (चोकपॉइंट्स) - जैसे मलक्का, बाब अल-मंदेब और जिब्राल्टर स्ट्रेट - पर भी रुकावट का खतरा हो सकता है। जिसकी भरपाई के लिए कम से कम 10 ट्रिलियन रूबल के जरूरी निवेश की आवश्यकता होगी।' उन्होंने आगे कहा कि रूस भविष्य में सदस्य देशों के साथ निवेश के मामले में बेहतर सहयोग की उम्मीद करता है।

दुनिया के सामने मौजूद बड़ी चुनौतियां

अंत की शुरुआत या शुरुआत का अंत : पंडोरा बॉक्स में आखिर क्या बचा है' नाम के शीर्षक वाली स्पीच में सेचिन ने कहा कि दुनिया बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रही है। इनमें सैन्यीकरण, वित्तीय बाजार के जोखिम और जरूरी संसाधनों की संभावित कमी शामिल है। उन्होंने कहा, 'बक्से के तल में हमें निश्चित रूप से बिजली, भोजन, तांबे और अन्य धातुओं व पानी की वैश्विक कमी देखने को मिलेगी।' रॉयटर्स के अनुसार, सेचिन ने समूह की प्रभावशीलता पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर जैसे देशों के बाहर निकलने के बाद इस समूह की क्षमता का कुछ हिस्सा कम हो गया है। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में गठबंधन का उत्पादन 58 मिलियन बैरल प्रतिदिन से घटकर 37 मिलियन बैरल प्रतिदिन रह गया है। रोसनेफ्ट प्रमुख ने कहा कि 2016 में समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद से जहां ज्यादातर प्रमुख सदस्यों ने उत्पादन बढ़ाया है। वहीं रूस का तेल उत्पादन 1.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन कम हुआ है। सेचिन ने कहा, 'यह 15 प्रतिशत की गिरावट है।

मैं उस बिजनेस को कैसे छोड़ दूं, छोटी सी दुकान से आज घर-कार सबकुछ, ऐसे बने मर्जी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। राजू चौरसिया उत्तर प्रदेश के महोबा से हैं। उन्होंने छोटी सी पान की दुकान से अपनी अलग पहचान बनाई है। इस दुकान से उन्हें वह सबकुछ मिला है जिसकी लोग चाहत रखते हैं। इनमें घर, कार और लाखों की संपत्ति शामिल है। दिलचस्प यह है कि खूब धन-दौलत वाला हो जाने के बाद भी उन्होंने अपनी साधारण पान की दुकान कभी नहीं छोड़ी। आइए, यहां राजू चौरसिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। यूपी के महोबा के रहने वाले राजू चौरसिया पिछले 36 सालों से पान बेचते हैं। आर्थिक रूप से मजबूत होने के बावजूद वह छोटे-छोटे मेलों में पान की दुकान लगाते हैं। सिर्फ 10 रुपये में पान की बिक्री करते हैं। ग्राहकों को प्यार और अपनापन दिखाते हैं। उनके लिए पान पिछले तीन दशकों से उनकी पहचान रहा है। राजू चौरसिया ने 15 साल की उम्र में पान लगाना शुरू किया था। वह साल 1989 से इस काम में हैं। उन दिनों एक पान की कीमत सिर्फ 50 पैसे हुआ करती थी। वह अक्सर कहते हैं, 'मैं उस बिजनेस को कैसे छोड़ सकता हूं जिसने मुझे बनाया और मेरे परिवार का सहारा बना' आज उनके पास अपना घर है। वह महंगी कार चलाते हैं। उनके बच्चे अपने-अपने बिजनेस में सेटल हो चुके हैं। फिर भी राजू मेलों में अपनी पान की दुकान लगाना नहीं भूलते। वैसे तो वह उत्तर प्रदेश के महोबा के रहने वाले हैं। लेकिन, राजू अक्सर छतरपुर के मेलों में जाते हैं, जहां वह काफी मशहूर हैं। उनकी दुकान उत्तर प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश तक के इलाकों में लगती है। जैसे ही लोगों को पता चलता है कि राजू चौरसिया की दुकान खुल गई है, वे अपने दोस्तों के साथ उनके पान का मजा लेने पहुंच जाते हैं। 36 सालों में उन्होंने न सिर्फ ग्राहक, बल्कि पक्के रिश्ते भी बनाए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593 RNI No.: DELHIN/2008/23928
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)